राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

हॉलीवुड फिल्म
हार्ट ऑफ स्टोन ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 01 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 282 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

शहर में ट्रांसपोर्ट व्यवस्था का दुरुस्त होना जरूरी

मोदी बोले: 21वीं सदी के भारत को मिलने वाली है नई गति

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे का आज दूसरा दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में आज वंदे भारत और मेट्रो परियोजना के फेस वन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी के भारत, अर्बन कनेक्टिविटी और आत्मनिर्भर होते भारत के लिए बड़ा दिन है। मैंने गांधीनगर–मुंबई वन्दे भारत एक्सप्रेस का तेज रफ्तार सफर का अनुभव किया। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को देश के शहरों से नई गति मिलने वाली है। बदलते हुए समय, बदलती हुई जरूरतों के साथ अपने शहरों को भी निरंतर आधुनिक बनाना जरूरी है। शहर में यातायात का व्यवस्था आधुनिक हो, निर्बाध कनेक्टिविटी हो, यातायात का एक साधन दूसरे को सपोर्ट करे, ये किया जाना आवश्यक है। मोदी ने कहा कि आज गांधीनगर का रेलवे स्टेशन दुनिया के किसी भी एयरपोर्ट से कम नहीं है। भारत सरकार ने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को भी आधुनिक बनाने की स्वीकृति दे दी है। उन्होंने कहा कि देश के शहरों के विकास पर इतना अधिक फोकस, इतना बड़ा निवेश इसलिए किया जा रहा है क्योंकि ये शहर, आने वाले 25 साल में विकसित भारत के निर्माण को सुनिश्चित करने वाले हैं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने शहरों में सुधार और उनके विस्तार पर फोकस के साथ–साथ ऐसे नए शहरों का निर्माण भी किया जा रहा है, जो ग्लोबल बिजनेस डिमांड के अनुसार तैयार हो रहे हैं। गिफ्ट सिटी भी इस प्रकार के प्लग एंड प्ले सुविधाओं वाले शहरों का बहुत उत्तम उदाहरण हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि गांधीनगर–अहमदाबाद एक जुड़वां शहर कैसे विकसित होता है इसका एक बड़ा उदाहरण है। इसी मॉडल का अनुसरण करते हुए गुजरात में विभिन्न जुड़वां शहरों का विकास किया जा रहा है। लोग अब तक न्यूयॉर्क–न्यू जर्सी की बात करते थे। मेरा भारत पीछे नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि 8 वर्षों में एक के बाद एक देश के 2 दर्जनों से ज्यादा शहरों में मेट्रो या तो शुरू हो चुकी है या तेजी से काम चल रहा है। देश के दर्जनों छोटे शहरों को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। श्उड़ानश योजना छोटे शहरों में हवाई सुविधा देने में अहम भुमिका निभा रही है। मोदी ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई के बीच शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन से देश के दो बड़े शहरों के बीच सफर को आरामदायक भी बनाएगी और दूरी को भी कम करेगी।

आक्रामक मूर्ति के दावे पर एससी ने कहा– ये व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करता है

संसद भवन के शेर को लेकर दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। नए संसद भवन में लगाई गई शेर की मूर्ति को लेकर दायक की गई याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में दावा किया गया था कि नए संसद भवन के ऊपर राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइन ने भारत के राज्य प्रतीक (अनुचित उपयोग का निषेध) अधिनियम 2005 का उल्लंघन किया है। मूर्ति के आक्रामक होने के दावे भी किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि ये व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करता है। न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर करते हुए कहा कि हमने प्रतीक को देखा और इसमें कानून का उल्लंघन नहीं किया गया। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के हिस्से के तहत संसद भवन पर शेर की मूर्ति स्थापित की गई थी। जिसके बाद से ही राजनीतिक दलों की ओर से इसको लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। जुलाई में दो अधिवक्ताओं, अल्दानिश रीन और रमेश कुमार मिश्रा द्वारा याचिका दायर की गई थी, जिन्होंने तर्क दिया था कि प्रतीक में चित्रित शेर क्रूर और आक्रामक प्रतीत हो रहे हैं। मूर्ति के शेर के मुंह खुले हैं और दांत भी बाहर दिखाई दे रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि मौर्य सम्राट अशोक की पूर्ववर्ती राजधानी सारनाथ में जो मूल प्रतीक था, वह श्शांत और रचितष था और बुद्ध के चार मुख्य आध्यात्मिक दर्शन का प्रतिनिधि था। हालांकि, शुक्रवार को, न्यायाधीशों ने कहा कि प्रतीक जो प्रभाव देता है वह व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करता है। 12 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांस्य से बने नए राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण किया गया था। यह 6.5 मीटर ऊंचा है और इसका वजन 9,500 किलोग्राम है। इसे नए संसद भवन की छत पर कास्ट किया गया है, जो नई दिल्ली में सेंट्रल विस्टा परियोजना का एक हिस्सा है।

भाई–बहन की पार्टी बनकर रह गई है कांग्रेस

जेपी नड्डा बोले– बीजेपी ने सभी वर्गों के लिए किया काम

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा लगातार विपक्ष के खिलाफ हमलावर है। इन सबके बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। जेपी नड्डा फिलहाल ओडिशा के दौरे पर हैं। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को उन्होंने संबोधित किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने जबरदस्त तरीके से कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि यह पावन धरती है, ऐसी पवित्र धरती को मैं नमन करता हूं। साथ ही साथ, यह धरती सामाजिक परिवर्तन लाने वाले हमारे वीर सपूतों की धरती है। मैं यहां के वीर सपूतों को भी नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं नवरात्र के पवित्र समय में आप सबसे आह्वान करता हूं कि चलो हम निकल चलें और ओडिशा में भी अब कमल खिलायें, कमल खिलायें, कमल खिलायें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुझे खुशी है कि मोदी जी ने ओडिशा की अस्मिता, ओडिशा का गौरव, ओडिशा का मान सम्मान हमेशा आगे बढ़ाया है। आज मैं बड़े गर्व के साथ कह सकता हूं कि पहली जनजाति महिला भारत के सर्वोच्च पद पर राष्ट्रपति बनाने का सौभाग्य भी मोदी जी के नेतृत्व में ओडिशा को मिला है। विपक्ष पर निसाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब न तो इंडियन रह गई है, न नेशनल रह गई है, अब सिर्फ भाई–बहन की पार्टी बनकर सीमित रह गई है। इनको किसी विचार से लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की परवाह किए बगैर लाखों लोगों के लिए सेवा ही संगठन के नाम पर मदद के लिए लग गए। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं कि आप सभी लोग इस काम में जुटे। नड्डा ने दावा किया कि बीजेपी कार्यकर्ता लगातार सेवा भाव की वजह से जनता के बीच रहते हैं। भाजपा हर वर्ग के लिए बिना भेदभाव के काम करती है। बीजेपी ने अपने वादे के मुताबिक हर काम किया है। बीजेपी के काम से हर वर्ग के लोग खुश हैं। कई राज्यों में यही कारण है कि भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की जनहित योजनाओं से लोगों को लाभ हुआ है। नड्डा ने कहा कि एससी–एसटी के लिए स्कॉलरशिप शुरू करना, ट्राइबल भाइयों के लिए विद्यालय खड़ा करना, एससी भाइयों के लिए हॉस्टल खड़ा करना, इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने योजनाएं बनाईं।

श्रीकांत त्यागी की सोसायटी में फिर चला बुलडोजर, 16 अवैध निर्माण ढहाए गए

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा के सेक्टर 93बी में ग्रैंड ओमेक्स में अतिक्रमण अभियान शुरू कर दिया है। श्रीकांत त्यागी के घर की तरह दूसरे के 16 अवैध निर्माण को ढहा दिया गया है। दो दिन पहले नोएडा प्राधिकरण ने अतिक्रमण हटाने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था। इस बीच त्यागी समुदाय के सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा और सोसाइटी के सामने कई पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था। श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी पेड़ के आगे खड़ी हो गई, जिसे अवैध रूप से लगाने का आरोप सोसायटी वासियों ने लगाया। इससे पहले प्राधिकरण की टीम बुलडोजर लेकर सोसायटी पहुंची तो लोगों ने गेट पर ताला लगा दिया। इसके साथ ही कई सोसायटी के लोग गेट पर बैठकर नारेबाजी करने लगे थे। उनके हाथ में तख्तियां नजर आईं। निवासियों ने ग्रैंड ओमेक्स में विध्वंस अभियान के लिए प्रासंगिक दस्तावेजों की मांग की। नोएडा के सेक्टर 93बी में ग्रैंड ओमेक्स में विध्वंस अभियान के लिए अधिकारियों से संबंधित दस्तावेज की मांग करते हुए एक वकील और निवासी पंकज गर्ग मौके पहुंच गए।

जी–23 समूह के नेता मनीष तिवारी ने खड़गे का किया समर्थन

कहा– थरूर हमारे दोस्त थे, हैं और रहेंगे

नई दिल्ली। जी–23 समूह का हिस्सा माने जाने वाले कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रपति चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके प्राथमिक प्रतिद्वंद्वी शशि थरूर के खिलाफ समर्थन दिया। राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय पहुंचने के बाद तिवारी ने कहा, ष्मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। मैं और आनंद शर्मा यहां उनके नामांकन का समर्थन करने आए हैं।ष तिवारी और थरूर दोनों पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के जी–23 समूह से संबंधित हैं। खबर ये भी सामने आई थी कि तिवारी खुद चुनाव लड़ने की सोच रहे थे। मीडिया से बात करते हुए मनीष तिवारी ने कहा कि हम उनके (खड़गे के) नामांकन के समर्थन में आए हैं। शशि थरूर हमारे दोस्त थे, हैं और रहेंगे। जिन्होंने अपना पूरा जीवन कांग्रेस में बिताया है, वे यहां हैं। दिग्विजय सिंह ने अनुग्रह दिखाया है और अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। यह अच्छा होगा अगर कोई आम सहमति है। अलग से, एक ट्वीट में, उन्होंने कहा, ष्नेतृत्व, वैचारिक स्पष्टता, संसाधनों तक कथा और पारदर्शी पहुंच श्एश राजनीतिक दल के स्तंभ हैं।

सत्यपाल मलिक का बयान, न किसी राजनीतिक दल में शामिल होऊंगा और न ही चुनाव लडूंगा

मेरठ (उप्र)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने शुक्रवार को सेवानिवृत्त होने से पहले यह स्पष्ट कर दिया है कि वह न किसी राजनीतिक दल में शामिल होंगे और न ही चुनाव लड़ेंगे। सेवानिवृत्त होने से पहले मलिक ने कहा, ''हम किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होने जा रहे हैं, और और न ही कोई चुनाव लड़ेंगे।'' मेघालय के राज्यपाल के रूप में शुक्रवार (30 सितंबर) को मलिक का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इससे पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि मलिक राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हो सकते हैं, लेकिन बातचीत में उन्होंने इन अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि वह किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। मलिक ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, मीडिया में हमारे राष्ट्रीय लोकदल में शामिल होने की जो संभावनाएं जताई जा रही हैं, उसमें बिल्कुल दम नही हैं। हम रिटायर होने के बाद राष्ट्रीय लोकदल तो क्या किसी भी पार्टी में शामिल नही होने जा रहे हैं। मलिक ने यह भी साफ किया है कि वह कोई चुनाव भी नही लड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि तीन अक्टूबर को शामली में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमें राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ मलिक के भी मंच साझा करने की चर्चा थी। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि शामली की तीन अक्टूबर की किसानों की बैठक गैर राजनीतिक है, जो फिलहाल वहां धारा–144 लागू होने के कारण निरस्त कर दी गई है। आज सेवानिवृत्त होने के बाद भविष्य में अब आप क्या करेंगे, इस सवाल के जवाब में मलिक ने कहा, मैं सिर्फ किसानों की लड़ाई लडूंगा, किसानों की लड़ाई कहीं होगी, वहां पर जाऊंगा। किसानों को संगठित करुंगा और किसी पार्टी में नही जाऊंगा, कोई चुनाव भी नही लडूंगा।

पीएफआई से संपर्क के संदेह में एनआईए ने सामुदायिक भवन पर मारा छापा

मेंगलुरु। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शुक्रवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के बंतवाल तालुका के मित्तूर में 'फ्रीडम' सामुदायिक भवन पर छापा मारा। एजेंसी को संदेह था कि पीएफआई के कर्मचारियों को भवन के परिसर में प्रशिक्षित किया गया था। पुलिस सूत्रों ने कहा किसामुदायिक भवन का संचालन करने वाले न्यास के न्यासियों में से एक अयूब अग्नाडी को एनआईए के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था जबकि एक अन्य न्यासी मसूद अग्नाडी फरार है। एनआईए को संदेह है कि बंतवाल, पुत्तूर और सुल्लिया के सूनसान इलाकों में प्रतिबंधित पीएफआई के कार्यकर्ताओं को आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिये प्रशिक्षण दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि मित्तूर के फ्रीडम सामुदायिक भवन में राज्य के कई युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने का संदेह है। न्यास ने इस सामुदायिक भवन को 2007 में खोला था।

अग्निवीर रैली को निशाना बनाने बनाने की फिराक में थे आतंकी, मुठभेड़ में 2 ढेर

जम्मू। सेना में भर्ती के लिए केंद्र सरकार द्वारा अग्निपथ योजना लेकर आई है। इस योजना के तहत देश के अलग–अलग हिस्सों में भी लगातार भर्ती प्रक्रिया चल रही है। जम्मू कश्मीर में भी युवाओं को अग्निपथ योजना योजना में शामिल होने का मौका मिल रहा है। दूसरी ओर अग्निपथ योजना पर आतंकवादियों की भी नजर हो गई है। जम्मू कश्मीर में अग्निवीर रैली को निशाना बनाने की फिराक में आए आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। घटना बारामुला की है, जहां खुफिया इनपुट के आधार पर एक मुठभेड़ हुई और दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया गया। आतंकवादियों के पास से कुछ हथियार भी बरामद हुए हैं। एसएसपी रईस मोहम्मद भट ने बताया कि खुफिया इनपुट के आधार पर, सेना पुलिस और एसएसबी दलों ने इलाके की घेराबंदी की। इसके बाद एक गांव में तलाशी ली गई और एक मुठभेड़ में 2 अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया गया। एसएसपी ने बताया कि इसके पास से 1 एकेएस–74यू और 3 मैगजीन, 1 पिस्टल और उसकी मैगजीन, 2 गोलियां बरामद हुई हैं। रईस मोहम्मद भट ने आगे बताया कि आतंकवादी यहां सेना भर्ती (अग्निवीर) रैली को निशाना बनाने और बाधित करने के लिए आए थे। साइट क्लीयरेंस पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि उस क्षेत्र के लोगों से सावधान रहने और युवाओं से हिंसा का रास्ता न चुनने की अपील की गई है। इससे पहले कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार ने ट्वीट कर बताया कि एक और आतंकवादी मारा गया (कुल दो मारे जा चुके हैं। ये दोनों आतंकवादी जैश से नाता रखते थे। तलाश अभियान अब भी जारी है..। आपको बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर के दौरे पर जाने वाले हैं। यही कारण है कि जम्मू–कश्मीर में फिलहाल सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत कर दिया गया है। इससे पहले उधमपुर शहर में भी संदिग्ध आतंकवादियों ने बस अड्डे पर खड़ी एक बस में बृहस्पतिवार को धमाका कर दिया था। 9 घंटे के भीतर यह दूसरा धमाका था। फिलहाल इस घटना की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण कर रहा है।

रेनू राय ने थामा कांग्रेस का दामन

–पूर्व सांसद निर्मल खत्री पार्टी का झण्डा सौंपकर दिलायी सदस्यता

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मे रह चुकी रेनू राय ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर आयोजित समारोह में पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने रेनू राय को पार्टी का झंडा व गुलदस्ता भेंट कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

उक्त अवसर पर पूर्व सांसद डॉक्टर खत्री ने रेनू राय का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कांग्रेस पार्टी में सभी जाति और धर्म के लोगों का समान रूप से आदर और सम्मान है। विभिन्न क्षेत्रीय दलों की तरह कांग्रेस पार्टी कभी जात और धर्म की राजनीति नहीं करती। श्री खत्री ने कहा रेनू राय तथा उनके सहयोगियों के कांग्रेस में आने से पार्टी को बहुत ही बल मिलेगा तथा हमारी मातृशक्ति और मजबूत होगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रेनू राय और उनके सहयोगियों के कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर हर्ष जताते हुए कहा पार्टी की लोकप्रियता दिन पर दिन बढ़ रही है। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात रेनू राय ने कहां भाजपा की कथनी और करनी में बहुत अंतर है चुनाव पहले भारतीय जनता पार्टी ने जो वादे किए उस पर वह खरी नहीं उतर पाई। आज आम जन महंगाई से बुरी तरह परेशान है पर भारतीय जनता पार्टी को महंगाई कम करने का कोई भी उपाय नहीं कर रही।

श्रीमती रेनू राय ने कहा वे प्रारंभ से ही भारतीय जनता पार्टी से प्रभावित रही पर सत्ता में आने के बाद जिस तरह से भाजपा आम आदमी के मुद्दों महंगाई बेरोजगारी के प्रति उदासीन है इससे उनका मन भाजपा से हट गया है। श्रीमती रेनू राय ने कहा कांग्रेस पार्टी सदैव विकास की बात करती है तथा आज तक देश में जो भी विकास कार्य हुए वह कांग्रेस पार्टी की ही देन है। इस अवसर पर रेनू राय के साथ प्रमुख रूप से रीता यादव, विनोद कुमारी, मीना यादव, सुनीता यादव, सुलेमान ,श्याम वती, उर्मिला कोरी, संतोष कोरी ,जानकी, गुड़िया जनक लली, जग पता आदि ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह, उग्रसेन मिश्रा, महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ,रामनरेश मौर्य, अशोक कनौजिया ,रामेंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

नगरवासीयों ने किया महाकाली माता की महाआरती

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोलाबाजार/गोरखपुर। समाज के नगर अध्यक्ष मनीष जायसवाल के नेतृत्व में

नगर पंचायत गोला के वार्ड संख्या 19 में पुराना गांधी आश्रम के पास स्थित माता महाकाली के मंदिर पर नवरात्रि के पावन पर्व पर समाजसेवी व जायसवाल नगरवासी श्रद्धालुओं ने गुरूवार को संध्या बेला पर माता महाकाली का विधि विधान से घंटा घड़ियाल व शंखो की करतल ध्वनि पर फूल मालाओं से पूजन अर्चन व महाआरती कर सभी की सुख शांति व समृद्धि की कामना किया।इस मौके पर श्री जायसवाल ने कहा कि उपनगर में स्थित माता महाकाली का मंदिर बहुत ही पुराना है जहा पर नवरात्र के पर्व पर श्रद्धालु भक्तों का पुजन अर्चन के लिए तांता लगा रहता है।यहा पर जो भी भक्त मां के दरबार में आकर अपनी मन्नतें मांगता है मां भक्तों की मन्नतें पूरी करती हैं। इस अवसर पर राजाराम जायसवाल बहादुर यादव बैजनाथ विश्वकर्मा पिंटू जायसवाल डॉ बीडी राय शिवलाल जायसवाल आरती जायसवाल सीमा विश्वकर्मा अनीता सुनीता विद्या देवी आदित्य जायसवाल विशाल जायसवाल मोनू रजत शुभम सहित नगर पंचायत के तमाम श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित रहे।

विशेष लोक अदालत में 97 मामलों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में अशोक कुमार यादव प्रथम जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल निर्देशन पर न्यायिक अधिकारियो व विद्वान अधिवक्ताओ के अथक प्रयास से धारा 138 एनआई एक्ट के लंबित 97 मामलों का निस्तारण विशेष लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर किया गया। जिसमें सूरज कुमार मिश्रा (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) के द्वारा 23 वादों, अचल प्रताप सिंह (सिविल जज सीनियर डिवीजन) के द्वारा 01 वाद, मति विनीता सिंह (अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) के द्वारा 15 वादों, पंकज कुमार (सिविल जज सीनियर डिवीजन एफटीसी) के द्वारा 06 वादों, स्वर्णमाला सिंह (सिविल जज जूनियर डिवीजन) के द्वारा04 वादों, गिरेन्द्र सिंह (सिविल जज जूनियर डिवीजन दुद्धी) के द्वारा 23 वादों, अरुण पाण्डेय (न्यायिक मजिस्ट्रेट) के द्वारा 02 वादों व यमुना शंकर पाण्डेय (विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट) के द्वारा 23 वादों का निस्तारण किया गया। अलग अलग जनपदों से उत्तर प्रदेश में कुल 9473 वादों का निस्तारण किया गया। उपरोक्त जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनय कुमार सिंह के द्वारा दी गयी।

एकदिवसीय दौरे पर जिले में पहुंची राज्यपाल व समाज कल्याण राज्यमंत्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल आज अपने एक दिवसीय दौरे के लिए बलरामपुर में थी। उन्होंने मंडी समिति में एफपीओ के तहत खोली गई एक दुकान का उद्घाटन किया और जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने एमएलके पीजी कॉलेज पहुंचकर थारू जनजाति व समाज के अन्य तबकों के साथ मुलाकात की और उन्हें संबोधित कियाम इसके बाद वह बलरामपुर मुख्यालय से सटे कलवारी ग्राम सभा में गई, जहां पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों व गर्भवती महिलाओं से मुलाकात की और आगनबाड़ी किट दिया। राज्यपाल ने कहा है कि आज भी समाज मे बेटी होने पर महिलाओं को दोषी माना जाता है। जबकि लड़का या लड़की पैदा होना ईश्वर की देन है। ईश्वर हमे बेटी या बेटा जो भी दे उसे स्वीकार करना चाहिए, न कि महिलाओं को गुनहगार

बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं से आह्वान करते हुए कहा कि महिलाओं को प्रसव अस्पताल में कराना चाहिए, ताकि जच्चा बच्चा दोनों की देखभाल ठीक से हो सके। उन्होंने कहा कि आज भी प्रदेश की 16 प्रतिशत महिलाएं अस्पताल में प्रसव नही कराती है, जिसे ठीक नही माना जा सकता है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एक दिवसीय दौरे पर बलरामपुर पहुँची। उनके साथ प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण भी थे। महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हम 1 सितम्बर को हर वर्ष स्तनपान दिवस मनाते हैं। लेकिन बहुत कम महिलाएं है, जो अपने बच्चों का स्तनपान करती है जबकि अगर प्रसव होने के एक घण्टे बाद महिलाएं अपने नवजात को स्तनपान कराए तो नवजात के लिये अमृत के बराबर होता है तथा स्तनपान यदि होता रहे तो हमे पोषण दिवस मनाने की आवश्यकता ही न पड़े। उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की आंगनवाड़ी केंद्र पर संख्या बढ़ाने की जरूरत है और हम सबका दायित्व है कि सभी बच्चों का स्कूल में प्रवेश हो। राज्यपाल ने मातृ भाषा की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने काफी सोंच समझकर कर नई शिक्षा नीति लागू की है। ताकि 5 वी क्लास तक बच्चे अपनी मातृ भाषा मे पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि जापान , चीन जैसे तमाम देशों में बच्चा अपनी पढ़ाई की शुरुआत मातृ भाषा मे करता है। जबकि हमारे यहाँ बच्चों को अंग्रेजी की पढ़ाई करने पर जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हमे सोशल परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। इसके लिये बच्चों को जेल का भृमण कराना चाहिए ताकि बच्चे अपराध से दूर रहे। राज्यपाल ने कहा जेल का भृमण शिक्षा का एक अहम हिस्सा होना चाहिये। इससे पहले राज्यपाल के बलरामपुर पहुचने पर पुलिस लाइन में जिलाधिकारी महेन्द्र कुमार और एसपी राजेश सक्सेना ने स्वागत किया। राज्यपाल ने कृषि उत्पादन मंडी समिति में एफपीओ केंद्र की एक दुकान का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग आदि द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का भी जायजा लिया। कार्यक्रम में थारू जनजाति के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य पेश किया गया तथा एमएलके कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत पेश किया। उन्होंने एमएलके कॉलेज में आयोजित समारोह में थारू जनजाति के लोगों को वनाधिकार पत्र सौपे। राज्यपाल ने एनर्जी फार्मर प्रोजेक्ट के किसानों को प्रमाण पत्र भी बाटे। राज्यपाल ने जिला कारागार का भृमण किया और जेल में बंद विचाराधीन कैदियों से मुलाकात कर उनसे वार्ता भी की। राज्यपाल आंगनवाड़ी केन्द्र कलवारी भी पहुँची, जहाँ बच्चों और उनके अभिभावकों से भी मुलाकात किया।

बलरामपुर में महामहिम राज्यपाल क्या हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल

का किया गया भव्य स्वागत देश के प्रतिष्ठित व तराई क्षेत्र के ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा संपन्न बनाने हेतु फ्री स्कूल किट एवं थारू जनजाति को बना वनाधिकार प्राधिकरण प्रमाण पत्र के वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विशिष्ट अतिथि असीम अरुण समाज कल्याण मंत्री उ. प्र. कुलपति सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय प्रोफेसर एच.बी श्रीवास्तव महाराजा बलरामपुर जयेंद्र सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा श्रावस्ती जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर आरती तिवारी सदर विधायक पलटू राम तुलसीपुर विधायक कैलाश का शुक्ला जिला अधिकारी बलरामपुर महेंद्र कुमार व अन्य गणमान्यजनो की गरिमामय उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया।

कार्यालय अधिशासी अभियंता

सरयू ड्रेनेज खण्ड–2,सि.नगर

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–02/अधि0अभि0/2022–23

1– महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑन लाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राइस–बिड/फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 03/10/2022 से दिनांक 08/10/2022 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 08/10/2022 को अपरान्ह 12:15 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सरयू ड्रेनेज खण्ड़–2, सि.नगर में अधिशासी अभियन्ता सरयू ड्रेनेज खण्ड़–2, सि0नगर एवं अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड़–1, बासी के द्वारा ऑन लाइन खोली जायेंगी। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी।

क0 स0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख मे)	मात्रा	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य+स्टेशनरी चार्ज+GST= कुल योग	पंजीकृत श्रेणी
1-	2-	3	4	5	6	7	8	9
1.	सरयू परियोजना द्वितीय,गोण्डा	जनपद–सिद्धार्थनगर में सोतवा ड्रेन के किमी0 1.900 पर पुल निमार्ण की परियोजना हेतु सरयू ड्रेनज खण्ड–2 सिद्धार्थनगर के नोगढ़ में खण्डीय स्टोर पर ओ0पी0सी0 43 ग्रेड सीमेन्ट की आपूर्ति का कार्य।	26.42	बिल आफ क्वांटिटि के अनुसार	0.53	1 माह	300.00+2000.00 + 414.00 =2714.00	B श्रेणी अथवा उच्च
2.	सरयू परियोजना द्वितीय,गोण्डा	जनपद–सिद्धार्थनगर में बरार ड्रेन के किमी0 21.900 पर पुल निमार्ण की परियोजना हेतु सरयू ड्रेनज खण्ड–2 सिद्धार्थनगर के नोगढ़ में खण्डीय स्टोर पर ओ0पी0सी0 43 ग्रेड सीमेन्ट की आपूर्ति का कार्य।	14.96	बिल आफ क्वांटिटि के अनुसार	0.30	1 माह	225.00+131.00 + 500.00 =856.00	C श्रेणी अथवा उच्च
3.	सरयू परियोजना द्वितीय,गोण्डा	जनपद–सिद्धार्थनगर में बरार ड्रेन के किमी0 30.000 पर पुल निमार्ण की परियोजना हेतु सरयू ड्रेनज खण्ड–2 सिद्धार्थनगर के नोगढ़ में खण्डीय स्टोर पर ओ0पी0सी0 43 ग्रेड सीमेन्ट की आपूर्ति का कार्य।	10.66	बिल आफ क्वांटिटि के अनुसार	0.22	1 माह	225.00+131.00 + 500.00 =856.00	C श्रेणी अथवा उच्च
4.	सरयू परियोजना द्वितीय,गोण्डा	जनपद–सिद्धार्थनगर में फजिहतवा ड्रेन के किमी0 3.600 पर पुल निमार्ण की परियोजना हेतु सरयू ड्रेनज खण्ड–2 सिद्धार्थनगर के नोगढ़ में खण्डीय स्टोर पर ओ0पी0सी0 43 ग्रेड सीमेन्ट की आपूर्ति का कार्य।	16.88	बिल आफ क्वांटिटि के अनुसार	0.34	1 माह	300.00+144.00 + 500.00 =944.00	C श्रेणी अथवा उच्च

www.upgov.nic.in
upid-r.o.179577
date : 28-09-2022

अधिशासी अभियंता
सरयू ड्रेनेज खण्ड–2,सि.नगर
सि.नगर,उ0प्र0

सरकारी भूमि पर दबंगो का कब्जा

बघेलखण्ड बांध का अस्तित्व पर उठ रहे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। जहां योगी सरकार दबंगों और भू माफियाओं पर कार्रवाई करने और बुलडोजर चलाने की बात कर रही है और उनकी जगह या तो प्रदेश से बाहर या

फिर जेल में होने के दावे कर रही है तो वही जमीनी हकीकत में दावे सिर्फ दावों तक ही सीमित देखे जा रहे हैं। और दबंग भू माफियाओं के हौसले बुलंद देखे जा रहे हैं। दबंग सरकारी संपत्तियों पर अपना कब्जा जमाए हुए हैं लेकिन फिर भी जिम्मेदारो की नींद नही खुल रही। मामला तुलसीपुर विकासखंड के तुलसीपुर बघेलखंड मार्ग पर स्थित बांध का है जिसे लोग बघेलखंड बांध के नाम से जानते हैं और जिसको पूर्व में सरकार के द्वारा जल संचयन और सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए बनाया था जिससे किसानों को इसका लाभ मिल सके। लेकिन बघेलखण्ड बांध जिम्मेदारों के देखरेख के अभाव में पूरी तरह सूख चुका है तो वही सैकड़ों हेक्टेयर में फैला बघेलखंड जलाशय पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा साफ तौर पर देखा जा रहा है लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के चलते अब तक अतिक्रमण पर कार्यवाही नहीं की गई है तो वही बांध का अधिकांश भू भाग भू माफियाओं के कब्जे में देखा जा रहा है। जिसपर खेती की जा रही है तो वही जलाशय के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराता हुआ दिखाई दे रहा है फिर कैसे मिले किसानों को सिंचाई का लाभ जब बांध में पानी का संचय समय पर नही हो रहा और इसपर भू माफियाओं के कब्जा बरकरार है। तो वही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एंटी भू माफिया के दावे पर कई सवाल खड़े देखे जा रहे। क्या इन भू माफियो पर भी चले गा बाबा का हंटर य कथनी और करनी में अंतर है और एंटी भू माफिया कार्यवाही सिर्फ विपक्ष को ही दबाने के वास्ते है।

केंद्रीय विद्यालय में अभिवावक शिक्षक बैठक, समस्याओं पर हुई व्यापक चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। केंद्रीय विद्यालय में अभिभावक शिक्षक बैठक एवं सम्मान समारोह में विद्यालय की समस्याओं पर व्यापक चर्चा हुई परीक्षा से लेकर पढ़ाई खेल एवं विद्यालय जाने वाली सड़क खराब होने के कारण 3 दिन पूर्व ई–रिक्शा बच्चों को लेकर तालाब में गिर जाने एवं किसी तरह जान बचने पर तथा इस भीषण गर्मी में विद्यालय में बिना पंखे के 5 मिनट रहना भी मुश्किल है इस परिस्थिति में 5 से 8 घंटा बच्चे रहकर कैसे पढ़ते हैं इस पर गंभीरता से चर्चा हुई। विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के कारण विद्युत सप्लाई व्यवस्था खराब होने के कारण स्मार्ट क्लासेज, कंप्यूटर शिक्षा का लाभ छात्रों को नहीं मिल पा रहा है इसके साथ ही पेयजल, सफाई आदि समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुए व्यापक चर्चा की गई। केन्द्रीय विद्यालय बलरामपुर में अभिभावक मोहम्मद वाकिफ रजा के सौजन्य से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित कराया गया। उक्त अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज अस्थाना, हरीश शर्मा, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिंदी मनीष कुमार मिश्र, पुस्तकालयाध्यक्ष सौरभ कुमार तिवारी, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, अंग्रेजी वैशाली पांडेय को सम्मानित किया गया कार्यक्रम के दौरान अभिभावक डीपी सिंह बैस, डॉ आर.के.मिश्रा, राम कुमार तिवारी, राहुल तिवारी, दुष्यंत कुमार, मो.वाकिफ रजा, अमरनाथ चौहान आदि उपस्थिति रहे।

- **अभिभावक एंव भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस को समाधान की जिम्मेदारी सौपी गयी**
- **केंद्रीय विद्यालय की छात्रा द्वारा समस्याओं पर प्राचार्य को मार्मिक पत्र पर भी चर्चा**

दुर्गा प्रतिमा पाण्डाल की समस्या निपटाने गए सिपाही भूले भाषा की मर्यादा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत में दुर्गा प्रतिमा पाण्डाल के पास कतिथ विवाद को सुलझाने आयी पुलिस, खुद अपने ही सिपाही से उलझ गयी। मामला इस कदर बढ़ने लगा कि मानो छिटपुट की घटना बड़ी घटना को अंजाम दे सकती है। बहरहाल वहां मौजूद एक उपनिरीक्षक व कुछ पुलिस कर्मी समेत मामले को जानने आये लोगों के बीच बचाव से मामला सुलझ गया। जानकारों की माने तो करीब 40 वर्ष पुरानी कमेटी कृषक मण्डल के पाण्डाल पर दुर्गा प्रतिमा स्थापना और रास्ते के कतिथ विवाद को लेकर स्थानीय पुलिस शिकायत के आधार मामले को जानने के लिए आई थी। घटना स्थल पर पाण्डाल के बगल से आने–जाने वाले रास्ते को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ था। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में वहाँ मौजूद दोनों समुदायों की पहल के बाद यह निष्कर्ष निकला कि पूर्व की भाँति ही पाण्डाल स्थापित किया जाय, इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाय और यही कारण रहा कि पुलिस और स्थानीय लोगों के आपसी पहल के कारण मामला शान्त होता नजर आ रहा था। इसी बीच पुलिसिया भाषा को लेकर दुर्गा पूजा संचालन समिति के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता और थाने के सिपाही मोहम्मद खुर्शीद से सवाल जवाब होने लगा। मामला इस कदर बढ़ गया कि थाने के सिपाही भाषा की मर्यादा भूल गये और दुर्गा पूजा संचालन समिति के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता समेत सादे वर्दी में सिपाही अशोक से भी जुबानी जंग में भिड़ गए। खैर जुबानी जंग मारपीट में तब्दील होती कि इससे पहले मामला ही शांत हो गया। किन्तु इस तरह की घटना पुलिसिया उच्च अधिकारियों की चिंता बढ़ा सकती है? क्या मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को और चौकन्ना रहने की जरूरत है। उक्त के संदर्भ में प्रभारी निरीक्षक पंकज पाण्डेय ने कहा कि प्रकरण की जांचकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। लाइन–आर्डर से किसी प्रकार का कोई समझौता नही किया जाएगा।

- **दुर्गा पूजा संचालन समिति अध्यक्ष सौरभ से जुबानी जंग में आवेशित हुए थाने के एक सिपाही**
- **शान्ति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस है कटिबद्ध-इंस्पेक्टर पंकज पाण्डेय**
- **क्या यह घटना पुलिसिया उच्च अधिकारियों की बढ़ा सकती है चिंता**

स्काउट गाइड के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास बाजार/सिद्धार्थनगर। स्थानीय दुर्गा चौधरी पाटेश्वरी प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज पटनी जंगल में भारत स्काउट गाइड के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआद्यसमापन समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक केदारनाथ वरुण ने प्रशिक्षु द्वारा बनाये गए कपड़े के बने सामानों की सराहना किया। विद्यालय प्रांगण में भारत स्काउट गाइड के तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ने सर्वप्रथम स्काउट गाइड प्रशिक्षुओं द्वारा बनाए गए टेंट का अवलोकन करते हुए सराहना किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री वरुण ने कहा स्काउट गाइड छात्रों को अनुशासित व नैतिक बनाता है और राष्ट्र के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है द्यइस दौरान वरिष्ठ शिक्षक हरि प्रसाद पाठक ने अपने संबोधन में आपदा के समय स्काउट गाइड की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है और हर मौके पर स्काउट गाइड को मुस्तैदी के साथ देखा गया हैद्य विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर शेष नारायण पांडेय ने मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षक हरिश्चंद्र यादव वन्य प्रशिक्षक विशाल वर्मा, अंकुर चौरसिया, मनीषा ,गौरी से छात्र–छात्राओं ने बहुत कुछ सीखा। विद्यालय स्काउट मास्टर विजय कुमार व गाइड सुनीता वर्मा सक्रिय रूप से लगे रहे। कार्यक्रम का संचालन राज दीपक अवस्थी ने किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय शिक्षक गण सुरेंद्र लाल श्रीवास्तव, हरि प्रसाद पाठक, प्रमोद कुमार चौधरी, अरुण कुमार, पंकज यादव, संतोष कुमार मिश्र, संतोष कुमार सिंह, पूनम चौरसिया, शशांक शेखर, कुमारी ज्योति, वेद मित्र व परिचारकगण, अंजू पांडे, राजेश प्रसाद, अनिल कुमार मौजूद रहे।

गर्भवती महिलाओं का गोदभरायी कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा वि0ख0 उसका के अन्तर्गत मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र, पोखरभिटवा में गर्भवती महिलाओं का गोदभरायी एवं बच्चों को अन्न्प्रासन कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा उपस्थित गर्भवती महिलाओं का गोदभरायी एवं बच्चों को अन्न्प्रासन कराया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी लोग समय पर जांच व टीकाकरण करायें। इसके साथ ही साथ स्वस्थ बालक बालिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो को पुरस्कार स्वरूप खिलौना प्रदान किया गया। कुपाषित बच्चो को पोषण पोटली प्रदान किया गया। बच्चों द्वारा खेल एक्टिविटी भी किया गया। जिलाधिकारी द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिया कि पोषण वाटिका को और अच्छा बनायें उसमें मौसमी सब्जियों को लगायें। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभागी कुलकर्णी, बाल विकास परियोजना अधिकारी उसका, आंगनबाड़ी कार्यकत्री आदि उपस्थित थी।

आकर्षण का केंद्र बनी प्रतापपुर चौराहे पर बनी मां दुर्गा की प्रतिमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नवरात्र के मौके पर ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा पूजा की धूम है। दुर्गा पंडालों को आकर्षण रुप दिया जा रहा है जिसमें पूरा माहौल भक्तिमय बना हुआ है नगर के प्रतापपुर–गौरा चौराहे पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है जहां पर लोगों का जमावड़ा लग रहा है बांसी से 2 किलोमीटर दूर प्रतापपुर चौराहे पर लगी हुई मां दुर्गा की प्रतिमा, पांडाल, साज–सज्जा व झांकी यहां के आसपास के ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। आयोजन कर्ता रत्नेश श्रीवास्तव (रूपेश) एवं ओम प्रकाश पांडे का कहना है कि लगभग 36 वर्षों से आपसी एकता एवं सहयोग से यहां प्रतिमा स्थापित कराई जाती है इस बार भी प्रभू वर्मा, बजरंगी वर्मा, शुभम सिंह, वीरेंद्र, धुप, ओम प्रकाश पांडे, राहुल, विवेक, शिवम, आशुतोष पाण्डेय, दिवाकर मिश्रा आदि लोगों एवं क्षेत्र वासियो के सहयोग से प्रतिमा स्थापित की गई।

जिला स्तरीय उद्योग बन्धु,व्यापारिक सुरक्षा फोरम की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला स्तरीय उद्योग बन्धुध्व्यापारिक सुरक्षा फोरम की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थित में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को उसके निस्तारण हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी से जिला मुख्यालय से सभी नेपाल बार्डर तक बस सेवा शुरू कराने का अनुरोध किया गया। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय प्रबन्धक रोडवेज को सभी नेपाल बार्डर तक बस सेवा शुरू करने का निर्देश दिया। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों की समस्याओं का समय से समाधान करने के लिए जिलाधिकारी तथा जिला प्रशासन की व्यापारियों द्वारा प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सिद्धार्थनगर को त्यौहारो के दृष्टिगत साफ–सफाई जिससे बैंको द्वारा स्वीकृत कराया जा सके। व्यापारियों द्वारा जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यापारियों के जो भी समस्याएं है उन्हें निस्तारित कराया जाये तथा व्यापारियों को परेशान न करें। उपायुक्त उद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार सृजन योजना हेतु शासन से प्राप्त लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने उपस्थित व्यापारियों से कहा कि ऋण से संबधित आवेदन कर बैंको को उपलब्ध करा दे व्यवस्था कराने का निर्देश दिया तथा मूर्ति विसर्जन में किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाये। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी सदर, उपायुक्त उद्योग दयाशंकर सरोज, अधिशासी अभियन्ता विद्युत सिद्धार्थनगर, ए0आर0एम0 रौडवेज जगदीश, अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0 तथा व्यापारियों आदि की उपस्थित रही।

अवशेष प्रबंधन के बारे में किसानों को किया गया जागरूक

अवशेष प्रबंधन के बारे में किसानों को जागरूक किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। गाँव चरगवां, विकास खण्ड बढ़नी में इन–सीटू फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना सिद्धार्थनगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इन–सीटू फसल अवशेष प्रबंधन पर गाँव स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार ने फसल अवशेष के जलाने से पर्यावरण में कार्बनऑक्साइड, कार्बनमोनो ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, सूक्ष्म कण जैसे हानिकारक पदार्थ घुल कर पशुओ एवं मनुष्यों में स्वासथ्य सम्बन्धी समस्याएं होती हैं इसलिए किसान भाई फसल अवशेष नहीं जलाये। कृषि प्रसार वैज्ञानिक डॉ एस एन सिंह नें किसानों को बताया फसल अवशेषों को खेत में ही डिकम्पोजर की सहयता से सड़ाये। 25 लीटर पानी में 1 से 2 किलोग्राम गुड़ को मिलाकर हल्की आंच पर उबालें, उबालनें के बाद ठण्डा करें इसके बाद डिकंपोजर की एक कैप्सूल को घोलें और फिर घोल को 3 से 4 दिन के लिये रख दें इसके बाद 10 लीटर प्रति एकड़ प्रयोग करें जिससे 20 से 25 दिन में फसल अवशेष सड़कर खाद बन जायेगा। बीज वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत ने बताया की एक टन धान अवशेष में लगभग 5.5 किलोग्राम नत्रजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 2.5 किलोग्राम पोटाश और 1.2 किलोग्राम सल्फर और 400 किलोग्राम कार्बन होता हैं जो फसल अवशेष जलाने से नष्ट हो जाते हैं यदि किसान धान के अवशेष को प्रभावी तरीके से अपने खेत में ही कृषि यंत्रो से या डीकम्पोजर की सहयता से खेतों में ही मिलाकर सड़ाते हैं तो अगली फसल की शुरुआती अवस्था में लगभग 40 प्रतिशत नत्रजन, 30 से 35 प्रतिशत फासफोरस, 80 से 85 प्रतिशत पोटाश और 40 से 45 प्रतिशत सल्फर की पूर्ति हो जाती है इसलिए किसान भाई फसल अवशेष न जलाकर खेत में ही सड़ाये। प्रगतिशील किसानों ने भविष्य में भी फसल अवशेष को ना जलाने के लिए सभी किसान भाई के साथ ही संकल्प लिया कि हम फसल नहीं जलाएंगे। कार्यक्रम में मलहू, हकीमुल्लाह, शिवपूजन, तुलशीराम, परशुराम, धर्मेंद्र, राधेशयाम, नीबर, राजकुमार, पलटन आदि किसान उपस्थित रहे।

आउट ऑफ स्कूल बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए हुआ प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। कस्बा के सेखुईया में स्थित परियोजना कार्यालय पर शुक्रवार को आउट ऑफ स्कूल बच्चों के चिन्हीकरण एवं उन्हें मुख्य धारा में शामिल करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण हुआ है। उस प्रशिक्षण में कुल 30 शिक्षा प्रेरकों ने भाग लिया है। प्रशिक्षक विनोद प्रजापति ने कहा कि सक्रिय प्रेरकों के माध्यम से शारदा परियोजना के अंतर्गत हाउस होल्ड सर्वे के माध्यम से 7 से 14 उम्र के ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों का चिन्हांकन एवं नामांकन कर (मुख्यतः नेवर एनरोलड एवं ड्राप ऑउट बच्चों का चिन्हांकन कर (विशेष कर दिव्यांग बच्चे) उनका नामांकन परिषदीय विद्यालयों में सुनिश्चित कराने, नामांकित बच्चों को सोशल प्रोटेक्शन स्कीम के साथ जोड़ने में प्रेरकों की अहम् भूमिका है। साथ ही विद्यालयों में अटेंडेंस कैंपेन के अंतर्गत बच्चों की उपस्थिति में सुधार हेतु भी प्रेरकों को टिप्स दिया गया। माह नवंबर में नई एस.एम.सी गठन को लेकर चर्चा, इसमें प्रेरको की अहम् भूमिका की जानकारी दी गई। नामांकित बच्चों को सोशल प्रोटेक्शन स्कीम के साथ जोड़ने में ग्राम प्रधान के साथ नियमित संवाद करने की की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एडीसी हरिनारायण, ममता वर्मा, विमलेश, सुमन, संभावति, जरीना, वसीम आदि लोग रहे।

सम्पादकीय

तो लोग ज्यादातर धुर दक्षिणपंथ और कहीं–कहीं वामपंथ के धूव पर गोलबंद हो रहे हैं। मैक्रों इस वर्ष अप्रैल में दूसरे कार्यकाल के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गए थे। लेकिन जून में वहां हुए संसदीय चुनावों में उनकी पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाई। इन चुनावों में वामपंथी और धुर दक्षिणपंथी नेताओं ...

लोकतंत्र के लिए चिंता

बाइडेन ने कुछ समय पहले चेतावनी दी थी कि अमेरिकी लोकतंत्र खतरे में है। अब लगभग यही बात मैक्रों ने कही है। उन्होंने जिन लोकतांत्रिक देशों के संकट का जिक्र किया, उनमें अमेरिका शामिल है। अगर जो बाइडेन और इमैनुएल मैक्रों कहें कि पश्चिम का उदार लोकतंत्र खतरे में है, तो इस बात को अवश्य ही गंभीरता से लेना चाहिए। दोनों ऐसे देश के राष्ट्रपति हैं, जिनके बारे में समझा जाता है कि आध ुनिक लोकतंत्र को स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। बाइडेन ने कुछ समय पहले चेतावनी दी थी कि वहां होते तीखे ध्रुवीकरण के कारण अमेरिकी लोकतंत्र खतरे में है। अब लगभग यही बात मैक्रों ने कही है। उन्होंने भी जिन लोकतांत्रिक देशों के संकट का जिक्र किया, उनमें अमेरिका शामिल है। मैक्रों ने कहा कि वर्षों से अस्थिर करने की जारी कोशिशों के कारण ये स्थिति पैदा हुई है। अपनी ताजा अमेरिका यात्रा के दौरान दिए एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने ये चेतावनी दी। जब अमेरिकी लोकतंत्र के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यहां की स्थिति हम सबके लिए चिंता का कारण है। मैक्रों ने कहा– मेरी राय है कि हमने 18वीं सदी के बाद जो कुछ निर्मित किया, वह आज दांव पर लग गया है। इन बात से आज बहुत कम लोग असहमत होंगे। लेकिन इस हाल की वजह क्या है, जब इस प्रश्न पर चर्चा होती है, तो मतभेद उभर कर सामने आ जा सकते हैं।

एक आलोचना यह है कि बाइडेन और मैक्रों जैसे नेता जब लोकतंत्र के खतरे में होने की बात करते हैं, तो उनका मतलब यथास्थिति के लिए पैदा हुए खतरे से होता है। जबकि यह खतरा इसलिए पैदा हुआ है, क्योंकि यथास्थिति लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रही है। यह स्थिति लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं से निजात दिलाना तो दूर, बल्कि उन्हें अधिक गंभीर बनाने का कारण बन गई है। तो लोग ज्यादातर धुर दक्षिणपंथ और कहीं–कहीं वामपंथ के ध्रुव पर गोलबंद हो रहे हैं। मैक्रों इस वर्ष अप्रैल में दूसरे कार्यकाल के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गए थे। लेकिन जून में वहां हुए संसदीय चुनावों में उनकी पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाई। इन चुनावों में वामपंथी और धुर दक्षिणपंथी नेताओं को बड़ी सफलता मिली। ऐसा ट्रेंड कई देशों में दिखा है। तो समाध ान क्या है, नेताओं को उस पर ध्यान देना चाहिए। वरना, ऐसी चेतावनियों से कुछ हासिल नहीं होगा।

यूरोप में फिर फासीवाद?

वेद प्रताप वैदिक

100 साल पहले इटली में फासीवाद का उदय हुआ था। इटली के बेनिटो मुसोलिनी के बाद जर्मनी में एडोल्फ हिटलर ने नाजीवाद को पनपाया। इन उग्र राष्ट्रवादी नेताओं के कारण द्वितीय महायुद्ध हुआ। पिछले 77 साल में यूरोप के किसी भी देश में ये उग्रवादी तब पनप नहीं सके लेकिन अब इटली, जर्मनी, फ्रांस और स्वीडन जैसे देशों में दक्षिणपंथी राजनीति तूल पकड़ती जा रही है।

इन पार्टियों के नेता मुसोलिनी और हिटलर की तरह हिंसक और आक्रामक तो नहीं हैं लेकिन इनका उग्रवाद इनके देशों के लिए चिंता का विषय तो बन ही रहा है। ये लोग तख्ता–पलट के जरिए सत्तारुढ़ नहीं हो रहे हैं। लोकप्रिय वोटों से चुने जाकर ये लोग सत्ता के निकट पहुंचते जा रहे हैं। इटली में श्बदर्स ऑफ इटलीय की नेता श्रीमती जियोंजिया मेलोनी के प्रधानमंत्री बनने की पूरी संभावना है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी और मत्तेओ साल्विनी की पार्टियों के साथ मिलकर कल चुनाव लड़ा था। मेलानी (45) अभी युवा हैं, बर्लुस्कोनी (85) के मुकाबले और जब वे छात्रा थीं तो श्इटालियन सोश्यल मूवमेंट्य में काफी सक्रिय रही हैं। यह संगठन मुसोलिनी के समर्थकों ने खड़ा किया था। बाद में मेलोनी सांसद और मंत्री भी बनीं। वे आजकल दावा करती हैं कि वे फांसीवादी बिल्कुल नहीं हैं लेकिन किसी जमाने में वे मुसोलिनी की काफी तारीफ किया करती थीं। मारिया द्राघी की पिछले सरकार में कई पार्टियां गठबंधन में शामिल हुई थीं लेकिन मेलोनी की अकेली बड़ी पार्टी थी, जो विपक्ष में बैठी रही थी। इसीलिए अब श्ब्रदर्स ऑफ इटलीय पार्टी को इटली की जनता काफी महत्व दे रही है। उम्मीद यही की जा रही है कि कल संपन्न हुए आम चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें इसी पार्टी को मिलेंगी। मेलोनी यदि प्रधानमंत्री बन गईं तो वे सिर्फ गरीबों का ही नहीं, सबका टैक्स घटाएंगी, इटली की जनसंख्या को प्रोत्साहित करेंगी, प्रवासियों को आने से रोकेंगी और इटली के मामलों में यूरोपीय संघ की दखलंदाजी को नियंत्रित करेंगी। वे इस्लामी तत्वों के साथ सख्ती बरतने पर भी आमादा हैं। वे गर्भपात–विरोध ी हैं। वे स्त्री–अधिकार और अन्य कई सामाजिक प्रश्नों पर कट्टर पोंगापंथी रवैया अपनाए हुए हैं। यूक्रेन के मामले में वे रूस का भी डटकर विरोधी कर रही हैं। पता नहीं, उनकी गठबंधन सरकार कितने दिन चलेगी, क्योंकि उनके सहयोगी नेताओं का रूख इन समस्याओं पर जरा नरम है। वे यूक्रेन से ज्यादा रूस के प्रति सहानुभूतिपूर्ण हैं। मेलोनी ने इधर मुसोलिनी की आलोचना भी शुरु कर दी है। ऐसी आशंका कम ही है कि इटली समेत यूरोप के अन्य देशों में अब फासीवाद या नाजीवाद का उदय दुबारा हो सकता है।

प्रकृति संरक्षण या आधुनिक सुविधा ?

इनमें हो रहे घाटे को रोकने के लिए सरकार कोशिश करती, लेकिन इसके साथ ही इन पर अपना नियंत्रण रखती और इन्हें जनता तक सहजता से उपलब्ध कराने के बारे में सोचती, तो अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करती। लेकिन अभी सरकार ने व्यापार को अपने कार्यक्षेत्र से बाहर मानते हुए निजीकरण को श्रेयस्कर माना है। नतीजा ये है कि ये सुविधाएं जनता के उसी वर्ग के लिए ...

अजय दीक्षित

हर रोज पढने को मिलता है कि जरा सी बारिश से मेट्रो शहरों में सड़कों पर नाव चलने लगीं । बेंगलुरु, या नई दिल्ली, या मुम्बई या चेन्नई ऐसे ही महानगरों में बारिश, सूखा, ऑधी से तबाही हो गई ।असल में हम प्रकृति के साथ सह अस्तित्व में रहना भूल गये हैं ! भारतीय जीवन सह अस्तित्व पर आधारित है ।यह सह अस्तित्व मानव–मानव के बीच में ही नहीं, अपितु जड़, प्रकृति, वनस्पति, जगत, पशु, पक्षी जगत के साथ भी मानव के रिश्ते को लेकर है ।अब वे बड़ी बूढियॉ कहॉ रह गईं जो कहती थी कि रात्रि में पेड़ सोते हैं, उनके पत्ते और फूल मत तोड़ों ।या हम पत्थर की भी पूजा करते थे, गंगा जी में मिलने वाले गोल पत्थरों को शिवलिंग कह कर सहेजते थे ।पितृपक्ष में कौवों को भी भोजन परोसते थे । असल में गॉधी इस अंधी आधुनिकता के विरोधी थे । हम आजकल बात बात पर गॉधी को पूजते हैं ।परन्तु कोई भी विदेशी मेहमान आता है तो उसे गॉधी स्मारक पर ले जाते हैं ।मुख्य अवसरों पर अल सुबह प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति गॉधी समाधि पर पहुॅचते हैं ।तब रास्तों पर आवागमन रुक जाता था ।एक अर्दली थाली में फूल की पंखुडियॉ लिए खड़ा रहता था और यह राजनेता आदर भाव से फूल की पंखुडियों को समाधि पर अर्पित करते हैं । ऐसे भी राजनेता हैं जो पंखुडियों को आदर से अर्पित करने के बजाय फेंकते नजर आते हैं । यह पंखुडियॉ सरकारी खजाने से खरीदी

जाती हैं ।हमारे राजनेताओं की मुक्ति भी एक सरकारी कार्यक्रम बन कर रह जाता है । राम धुन बजाई जाती है ।हमें बड़ा ऐतराज होता है कि कश्मीरी बच्चे गॉधी का प्रिय भजन –– रघुपति राघव राजा राम ।पतित पावन सीता राम ।ईश्वर अल्लाह तेरो नाम ।सबको सन्मति दे भगवान ।। क्यों नहीं गाते ।भाजपा के कार्यकर्ता इस बात को लेकर बहुत चिन्तित हो जाते हैं । इन प्रवक्ताओं से जब पूछा जाता है कि क्या आप पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं, तो ये निरुत्तर हो जाते हैं ।फिर कश्मीरी बच्चों की भाषा हिन्दी नहीं, कश्मीरी है ।बच्चों से एकता का पाठ पढ़ाने के बजाय स्वयं कितना हिन्दू–मुसलमान करते हैं, सब कोई जानता है ।मैं शायद मुद्दे से भटक गया ।असल बात प्रकृति संरक्षण की हो रही थी ।खबर है निकोबार द्वीप समूह में नेवी के लिए हवाई अड्डा बनाने के लिए वहॉ साढ़े आठ लाख पेड़ काटे जायेंगे ।फिर से सुनिए –– एक–दो पेड़ नहीं, सौ पचास पेड़ नहीं, हजार –दो हजार पेड़ नहीं ––साढ़े आठ लाख ––फिर से सुनिए –– साढ़े आठ लाख पेड़ काटे जायेंगे । कहते हैं कि देश की सुरक्षा की दृष्टि से वहॉ किते जा रहे प्रोजेक्टों के कारण है । ग्रेट निकोबार आईलैण्ड में 12 से 20 हेक्टेयर के वनस्पति –गरान के साढ़े आठ लाख पेड़ों की आहुति दी जायेगी । वहॉ एक मिलिट्री और सिविल हवाई अड्डा बनाया जायेगा ।वहॉ बन्दरगाह बनाया जायेगा, इन्टरनेशनल टान्स शिपमेन्ट टर्मिनल बनाया जायेगा, सोलर आधारित पावर प्लांट बनाया जायेगा, वहॉ एक शहर बसाया जायेगा । हवाई अड्डा नेवी के अधीन रहेगा जो सैनिक और आम जनता दोनों के उपयोग में आयेगा ।यह बात गृह मंत्रालय के पत्रांक दिनांक 30 मार्च से मालुम पड़ी है । भारतीय सीमा में ग्रेट निकोबार द्वीप अन्तिम छोर है । इसी से इसका सामरिक महत्व है ।बंगाल की खाड़ी और दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के बढ़ते कदम के लिए ये प्रोजेक्ट बहुत जरूरी है । ई.ए.सी.(एक्सपर्ट एपराइजल कमेटी) को जुलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, वाइल्ड लाइफ इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डिया और सलीम अली सेन्टर फॉर ऑरनियोलॉजी एण्ड नेचुरल हिस्ट्री यार्नि स्द्ढ, ड्खद्ढद्ढ और स्र्ष्टद्व्ह का समर्थन प्राप्त है । भारत केन्द्रीय मंत्रालय पर्यावरण और वन को भी इन पेड़ों को काटे जाने पर कोई ऐतराज नहीं है ।इनका कहना है कि सारे पेड़ एक साथ न काटे जायें ।ख क्यों कमीशन खोरी धीरे–धीरे हो क्या ? , किसी को चिन्ता नहीं है इससे पर्यावरण को कितना नुकसान पहुॅचेगा और पड़ोसी देश वर्मा, ऑस्ट्रेलिया, थाईलैण्ड आखिर कैसे अपना प्रबन्ध करते हैं ? इन क्षेत्रों के आदिवासियों का क्या होगा ? वे वैसे ही विलुप्त के प्रभाव में हैं ।वनस्पति– गरान (द्वड्डठ्ठद्दद्भश1द्ग) हमारी सम्पदा है ।भारत की विशेषता है । परन्तु वर्तमान केन्द्रीय सरकार अपने ख्वाब के पर ढूंढ रही है ।

अतिवाद का शिकार भारत

सरकार उन आंकड़ों को भी गलत बता सकती है, जो लोकतंत्र. व्यक्तिगत स्वतंत्रता या उदारता के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत के लिए दिए हैं। अपने ऊपर उठती हर उंगली के लिए कहा जा सकता है कि बाकी की तीन उंगलियां दोष लगाने वाले के ऊपर ही उठ रही हैं। लेकिन सवाल यही है कि इस तरह के आरोप–प्रत्यारोप या सफाई देने की नौबत आ क्यों रही है...

सर्वमित्रा सुरजन

हमारे संविधान को रचा ही इस तरह से गया है कि यहां सभी श्रेणियों के लोगों को बराबरी और सम्मान से जीने का हक मिले और अनेकता में एकता की हमारी खास पहचान अक्षुण्ण रहे। लेकिन इस अनेकता के भाव को मिटाते हुए हर बात में एक को ही सर्वोपरि करने की जो नयी परिपाटी चलाई गई है, उससे अतिवाद को पनपने का मौका मिल रहा है। एक की अति का जवाब दूसरे की अति नहीं हो सकती। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने पिछले सप्ताह पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई पर बड़ी कार्रवाई की थी। जिसके तहत 15 राज्यों में 96 जगहों पर छापेमारी की गई थी और कई राज्यों के पीएफआई प्रमुख समेत 100 से अधिक सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए के नेतृत्व में हुई यह कार्रवाई पिछले कुछ बरसों में की गई सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक है। टेरर फंडिंग और कई हिंसक कृत्यों में कथित संलिप्तता के लिए पीएफआई, उसके नेताओं और सदस्यों के खिलाफ पिछले कुछ बरसों में विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं। बताया जा रहा है कि यह संगठन कथित श्लव जिहादश, जबरन ध र्म परिवर्तन, सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में सक्रियता, कट्टरपंथी को बढ़ावा देने, धन शोधन और दूसरे प्रतिबंधित समूहों से संपर्क को लेकर जांच एजेंसियों की निगाह में था। इस कार्रवाई के विरोध में पीएफआई ने केरल बंद का आह्वान भी किया था। गिरफ्तारी का यह सिलसिला आगे भी चला और मंगलवार को भी 30 लोगों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। इनमें अधि ाकांश गिरफ्तार लोगों ने सीएए विरोधी आंदोलनों में हिस्सा लिया था। गिरफ्तारियों का विरोध रोकने के लिए ओखला इलाके के कुछ हिस्सों में धारा 144 लागू कर दी गई थी। सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान गिरफ्तार कई छात्र नेता और राजनीतिक कार्यकर्ता अभी भी जेलों में ही हैं। मंगलवार को कुछ गिरफ्तारियां उत्तरप्रदेश के कुछ इलाकों से भी हुई हैं। जो लोग इन गिरफ्तारियों और ध ारा 144 लगाने के विरोध में हैं, उन्हें कानून व्यवस्था का हवाला दिया जा रहा है। पीएफआई पर इस कार्रवाई के बाद अब केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इस संगठन और इससे जुड़ी अन्य संस्थाओं पर 5 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का कहना है कि पीएफआई भारत में गुप्त एजेंडा चलाकर एक वर्ग विशेष को कट्टर बना रहा था है। साथ ही उसके संबंध अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से भी हैं। गौरतलब है कि 2006 में पीएफआई की स्थापना हुई थी और धीरे–धीरे इसकी शाखाएं 24 राज्यों और कई केंद्र शासित प्रदेशों में खुल गईं। जांच एजेंसियों का मानना है कि पीएफआई नेशनल डेवलेपमेंट (एनडीएफ) से ही प्रेरित होकर बना है। एनडीएफ बाबरी मस्जिद को गिराने के एक साल बाद 1993 में बनाया गया था और यह एक कट्टर इस्लामी संगठन माना जाता है। पीएफआई पर प्रतिबंध के बाद अब इस पर राजनैतिक प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए लिखा कि यह श्नया भारतश है, यहां आतंकी, आपराधि ाक और राष्ट्र की एकता व अखंडता तथा सुरक्षा के लिए खतरा बने संगठन एवं व्यक्ति स्वीकार्य नहीं। अजमेर दरगाह के दीवान और साध्वी प्राची ने भी इस फैसले की सराहना की है। कांग्रेस का बयान है कि हम हर उस विचारधारा और संस्था के खिलाफ हैं, जो हमारे समाज का धार्मिक ध्रुवीकरण करने के लिए पूर्वाग्रह, नफरत, कट्टरता और हिंसा का सहारा लेती है।श जबकि लालू प्रसाद यादव ने दो टूक टिप्पणी करते हुए कहा कि पीएफआई का हौवा बनाया है। आरएसएस पर पाबंदी लगानी चाहिए। ये इससे भी बदतर संगठन है। उन्होंने कहा कि पीएफआई, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सभी संगठनों की जांच की जानी चाहिए और इन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। देश को हिंदू–मुस्लिम करके तोड़ा जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है और हालात बदतर हो रहे हैं। देश के जो हालात हैं, उसका खाका साफ शब्दों में लालू प्रसाद यादव ने खींच दिया है। यह सही है कि देश में आंतरिक और बाह्य सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। न ही किसी किस्म की कट्टरता या ऐसे वाद को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए जो संविधान की भावनाओं के खिलाफ हो। अतीत की सरकारों ने भी इन्हीं कसौटियों पर कई ऐसे संगठनों को पहले प्रतिबंधित किया है, जो किसी एक वर्ग के हित की बात करते हुए देश के ताने–बाने, संवैधानिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए ही खतरा बन जाते हैं। किसी को तुष्ट करने के लिए उग्रवादी या अलगाववादी विचारधारा को समर्थन नहीं दिया जा सकता, न ही बहुसंख्यकों का दबदबा दिखाकर अल्पसंख्यकों को सहमा कर रखा जा सकता है। इस विशाल विविधता वाले देश में सभी धर्मों, जातियों, भाषाओं, प्रांतों और वर्गों के लोगों के बीच समझदारी के साथ संतुलन बनाए रखने की जरूरत है और हमारा संविध ान इस काम को बखूबी करता है। इसलिए अगर किसी संगठन का काम संविधान के खिलाफ दिखाई देता है, तो उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। और इस कार्रवाई में ध ार्मिक, सांप्रदायिक पूर्वाग्रह आड़े नहीं आएं, यह सुनिश्चित करना सरकार की जवाबदेही है। पीएफआई पर एजेंसियों ने जांच–परख कर कार्रवाई की होगी। लेकिन सरकार और जांच एजेंसियों को यही सख्ती उन धर्म संसदों और तथाकथित साधु संतों के खिलाफ भी दिखानी चाहिए, जो सरेआम अल्पसंख्यकों के लिए धमकियां देते हैं, उनके परिवार की महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां करते हैं। पिछले महीने ही संघ के प्रचारक रहे यशवंत शिंदे ने अदालत में बाकायदा हलफनामा दाखिल कर बताया था कि 2006 में पटबंधरे नगर बम विस्फोट संघ ने करवाए थे। उन्होंने ये भी कहा था कि भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए आरएसएस ने देशभर में बम धमाके करने की साजिश रची थी। ये मामूली आरोप नहीं हैं और इनकी भी उतनी ही गंभीरता से जांच होनी चाहिए, जैसे किसी अन्य कथित आतंकी संगठन की होती है। अफसोस ये है कि कट्टर हिंदुत्व के हिमायती संगठनों और उससे जुड़े नेताओं के अनर्गल बयानों को अब नए भारत में न्यू नार्मल यानी ये सब तो चलता ही है कि तर्ज पर लिया जाने लगा है। अगर इसमें कोई धर्मनिरपेक्षता का हवाला दे, तो उसे तुष्टिकरण की राजनीति करने वाला करार दिया जाता है या फिर उसकी राष्ट्रभक्ति पर संदेह किया जाता है। सत्ता की ओर से भी चुनावों में जीत हासिल करने के लिए ऐसे बयानों पर या तो चुप्पी साध ली जाती है या फिर इन्हें बढ़ावा दिया जाता है। जब एक पक्ष की ओर से अति होती है, तो दूसरा पक्ष भी अतिवाद को सही ठहराता है और आखिर में देश कट्टरता का शिकार होता है। यही कारण है कि जो भारत अब तक अपनी गंगा–जमुनी छवि के लिए विश्व विख्यात था, अब उसकी इस छवि को ठेस पहुंच रही है। तीन साल पहले टाइम पत्रिका के कवर पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर के साथ डिवाइडर इन चीफ लिखा गया था, जो भारतीय प्रधानमंत्री के लिए नकारात्मक टिप्पणी थी। अब रोसकिल्डे यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल डेवलपमेंट स्टडीज के असिस्टेंट प्रोफेसर सोमदीप सेन ने अल जजीरा में प्रकाशित एक लेख में हिंदू राष्ट्रवाद को दुनिया के लिए एक नई समस्या के तौर पर बताया है।

?प्रधानों के पास बहुत ज्यादे अधिकार हैं बस पहचानने की जरूरत:चंद्रमणि यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय प्रधान संगठन की बर्डपुर ब्लॉक इकाई की बैठक शुक्रवार को विकास खंड कार्यालय पर सम्पन्न हुआ। अखिल भारतीय प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रमणि यादव ने बैठक में कहा कि प्रधानों को अपनी मजबूती करने लिए एक होना पड़ेगा। यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत गठन है। अगर इसको लागू कर दिया जाय तो प्रधानों के अधीन 29 विभाग और जुड़ जाएगा। जो प्रधान के निगरानी में काम करेंगे। जिलाध्यक्ष ने प्रधानों को संबोधित करते हुए कहा ब्लाक स्तर पर संगठन को मजबूत करना पड़ेगा तभी जिला व प्रदेश की इकाई मजबूत होगी। तमाम गांव में पंचायत भवन नही

है। कुछ जगहों पर लोग पंचायत भवन को कब्जा कर रखे हैं। इस हालत में कम्प्यूटर कहा लगाया जाएगा। आईडी पासवर्ड संविदा कर्मी के पास न होकर ग्राम सचिव के पास होना चाहिए। प्रधानों के पास बहुत ज्यादे अधिकार हैं। बस पहचानने की जरूरत हैं। तभी हमारा शोषण बंद होगा। एकता नही रहेगी तो हमारे अधिकारों का हनन होता रहेगा। ब्लाक के सभी कर्मचारी प्रधानों से सलाह लेकर ही कार्य करें। ब्लाक अध्यक्ष ई. प्रदीप चौधरी ने कहा हमारे सम्मान के सामने कोई भी आएगा तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। शिकायत पर गांव में कोई भी जाच हो तो अधिकारी प्रधान के साथ जांच करे। गुप्त तरीके से जांच बंद होना चाहिए। गांव के विकास के लिए हम सभी प्रधान मेहनत से कार्य कर रहे हैं। अनावश्यक परेशान किया जाएगा तो संगठन मुहतोड़ जबाब देगा। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पंकज चौधरी, जिला प्रवक्ता विजय यादव, जिला उपाध्यक्ष विजय पासवान व महासचिव शिव सागर यादव ने भी अपनी बातें रखी। मुलायम सिंह, ओमप्रकाश लोधी, इरफान, संतोष पांडेय, असगर अली, नरसिंह चौधरी, संतोष चौधरी, वजहुल कमर, मो हम्मद सईद, लालजी जायसवाल, ईश्वर चंद्र, रमेश यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

खंडहर बन गया अम्बेडकर सामुदायिक भवन सहिला भगता

- लाखों के लागत से बना भवन का कोई पुरसाहाल नहीं
- ग्रामीणों को नहीं मिला भवन का लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास बाजार/सिद्धार्थनगर। सहिला भगता का अम्बेडकर सामुदायिक भवन खंडहर में तब्दील हो गया है। यह भवन निष्प्रयोज्य साबित हो गया है। लाखों की लागत से बने यह भवन बनने के बाद से इस भवन को कोई उपयोग नहीं हुआ। जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ ही,जनता के हित को ताक पर रख दिया ग्राम पंचायत भगता (सहिला) के पूरब तरफ सामुदायिक भवन का निर्माण हुआ था।उस समय लोगों के मन में यह जिज्ञासा पनप रही थी कि स्वास्थ्य सम्बंधित निदान यहीं से हो जाएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। लाखों की लागत से बना उक्त भवन निर्माण कार्य के बाद से न हैं डओवर हुआ और न ही इसके कोई अधिकारी कर्मचारी बैठे हैं। जिससे ग्रामीणों को इस भवन का फायदा मिल सका। जबकि ग्रामीणों को तमाम कार्य के लिए जिला मुख्यालय का सफर करना पड़ रहा है।जो लगभग 15 किमी दूरी मजबूरी में तय करना पड़ रहा है। लोगों के लिए उक्त सामुदायिक भवन निरर्थक साबित हो रहा है।

कार्यालय जिलाधिकारी-सिद्धार्थनगर

अधिसूचना सं0-7238/आठ-वि0भू0अ0अ0 सि0नगर/अधि0 सू0/2022-23/दिनांक 23.09.2022
(अधिनियम की धारा -19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)
अधिसूचना

उप मुख्य अभियन्ता, कंस्ट्रक्शन/जनरल, नार्थ ईस्ट रेलवे, गोरखपुर के द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक प्रयोजन यथा बहराइच–खलीलाबाद बी0 जी0 रेल लाईन के निर्माणार्थ परियोजना हेतु जनपद–सिद्धार्थनगर, तहसील–बॉसी, परगना–बासी पूरब़, ग्राम–जमोहनी में स्थित 1.5262474 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा–11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या–6079/आठ–वि0भू0अ0अ0सि0नगर/अधि0सू0/ 2020–21/दिनांक 24.06.2022 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से सरकारी गजट उ0 प्र0 में दिनांक 13 अगस्त 2022 को प्रकाशित किया गया है। डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेन्ट कलेक्टर सिद्धार्थनगर को परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त नहीं किया गया है क्योकि भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

अधिनियम की धारा–15 की उपधारा (2) के प्राविधानों के अनुपालन में कलेक्टर भूमि अध्याप्ति प्रयोजनार्थ सिद्धार्थनगर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट दिनांक 19.09.2022 पर विचारोपरान्त धारा–19(1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें यह समाधान हो गया है कि अनुसूची ''क'' में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची 'ख' में उल्लिखित जिला–सिद्धार्थनगर, तहसील–बॉसी, परगना–बॉसी पूरब, ग्राम–जमोहनी की शून्य हे0 भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

अनुसूची - क
(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

क0स0	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भुखण्ड सं0	क्षेत्र फल हे0 में
1-	2	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	103	0.0835852
2.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	104	0.0319672
3.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	108	0.1565913
4.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	110	0.0588055
5.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	118	0.0034508
6.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	131	0.1523411
7.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	133	0.1204681
8.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	135	0.1120916
9.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	139	0.0230474
10.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	140	0.5419604
11.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	142	0.0108
12	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	164	0.2311388
					कुल क्षेत्रफल-	1.5262474 हे0

अनुसूची - ख
(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

क0स0	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भुखण्ड सं0	क्षेत्र फल हे0 में
1-	2	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	जगमोहनी	शून्य	शून्य

नोटः– समुचित सरकार द्वारा चयनित सामाजिक समाघात/प्रबन्धन अध्ययन कर्ता संस्था द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रस्तावित अर्जन से भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है तथा अध्ययन कर्ता संस्था की आख्या पर बहुशाखीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्व सम्मति से बहराइच–खलीलाबाद बी0जी0 रेल लाईन परियोजना के निमित्त भूमि अर्जन पर सामाजिक समाघात/प्रबन्धन रिर्पोट से सहमत होते हुये आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संस्तुति की गई है। सम्बन्धित तहसील की आख्या के अनुसार भी कोई कुटुम्ब विस्थापित नहीं हो रहा है।

उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा सिद्धार्थनगर कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

www.upgov.nic.in
upid-r.o.179494
date : 27-09-2022

आज्ञा से,
जिलाधिकारी,
सिद्धार्थनगर।

OFFICE – DISTRICT MAGISTRATE SIDDHARTHNAGAR

N0. / viii-SLAO.SDR/ Notification/ 2022-23/ Dated- 2022
[under sub-section (1) of section 19 of the act]

NOTIFICATION

Whereas Preliminary notification no 6079/viii-SLAO.SDR/Notification/ 2021 dated 24.06.2022 was issued under sub-section (1) of section 11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, in respect of 1.5262474 hectares of land in Village-Jamohni, Pargana-Baansi Purab, Tehsil-Baansi, District-Siddarthnagar is required for public purpose, namely, project Bharaich-Khalilabad B G Rail Line through Deputy Chief Engineer, General / Construction/ Survey, North East Railway, Gorakhpur Mandal, Gorakhpur and lastly published on 13th of august 2022 in government gazette U.P. The Deputy Collector/Assistant Collector was not appointed as administrator for the purpose of rehabilitation and resettlement of the project affected families, because no families are likely to be displaced due to land acquisition.

After considering the report of the collector for the purpose of land acquisition submitted in pursuance to provision under sub section (2) of the section 15 of the Act, the Governor is pleased to declare under section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given schedule ''A'' is needed for public purpose and the land to the extent of zero hect. in Village-Jamohni, Pargana-Baansi Purab, Tehsil-Baansi, District-Siddarthnagar as given in schedule ''B'' has been identified as the rehabilitation and resettlement area for the purpose of rehabilitation and resettlement of the displaced families.

SCHEDULE-A
(Land under Proposed Acquisition)

S.N.	DISTRICT	TEHSIL	PARGANA	VILLAGE	PLOT NO.	AREA (IN HECT.)
1-	2	3	4	5	6	7
1.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	103	0.0835852
2.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	104	0.0319672
3.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	108	0.1565913
4.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	110	0.0588055
5.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	118	0.0034508
6.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	131	0.1523411
7.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	133	0.1204681
8.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	135	0.1120916
9.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	139	0.0230474
10.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	140	0.5419604
11.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	142	0.0108
12	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	164	0.2311388
					Total-	1.5262474 hect.

SCHEDULE-B
(Land Identified as Settlement Area for Displaced Families)

S.N.	DISTRICT	TEHSIL	PARGANA	VILLAGE	PLOT NO.	Area Eramarked For Rehablitation (In hect)
1	2	3	4	5	6	7
1	Siddharth nagar	Baansi	Baansi Purab	jamohani	zero	zero

NOTE:-Social Impact Assesment study conducted by agency has been declared that No families are likely to be displaced due to land acquisition. However multi-disciplinary expert group unanimously recommends acquisition of necessary land by agreeing with social impact assessment report on land acquisition for Bahraich-Khalilabad new rail line project. Concern tahsil has been also submitted report that no families are likely to be displaced due to land acquisition.

A plan of land may be inspected in the office of the collector for the purpose of acquisition.

By Order,
Collector,
Siddharthnager.

प्रतिमाएं नदी में विसर्जित नही होंगी:एसडीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। इस साल प्रतिमाएं नदी में विसर्जित नही होंगी, प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नदी के किनारे खुदाई करके उसमें मूर्तियों का विसर्जन होगा। उपजिलाधिकारी एवं सीओ ने किया रामलीला बाग में होने वाले मेला परिसर का निरीक्षण कर रहे थे वही साफ सफाई को लेकर भी निर्देश दिए है और उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि हर साल लगने वाला दशहरा मेला में कोई भी कमियां न रहे और इसी बीच में रेलवे लाइन भी दौड़ी है जिसको लेकर प्रशासन पूरी तरह से बैरिकेटिंग में जुड़ गई जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को कोई भी समस्या

न हो आराम से मेले का आनंद उठा सके। एसडीएम प्रदीप यादव ने कहा कि उसका राजा पयोहारी आश्रम के पास नदी के किनारे माता दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए खुदाई करके वैकल्पिक व्यवस्था बनाया जा रहा है। इस वर्ष सभी मूर्तिया यही विसर्जित होंगी। क्षेत्र की दुर्गा पूजा में स्थापित प्रतिमाएं नदी में विसर्जित नही होंगी। जो ऐसा करेगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए यह व्यवस्था की गई है। इसी बीच क्षेत्राधिकारी अखिलेश वर्मा, अधिशाषी अधिकारी जितेंद्र यादव और थाना प्रभारी राजेश तिवारी, क्षेत्रीय लेखपाल रामकरन गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता आदि रहे।

शनिवार को आयेगें ओमप्रकाश राजभर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। शनिवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का आगमन 11.00 बजे चेतिया रोड पर बड़हर बारी मंदिर के प्रांगण में होगा इस दौरान राजभर सावधान यात्रा एवं जनसभा रैली को संबोधित करेंगे। उक्त आशय की जानकारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष रामनिवास राजभर ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया।

कार्यालय जिलाधिकारी-सिद्धार्थनगर

अधिसूचना सं0-7240/आठ-वि0भू0अ0अ0 सि0नगर/अधि0 सू0/2022-23/दिनांक 23.09.2022

(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

अधिसूचना

उप मुख्य अभियन्ता, कंस्ट्रक्शन/जनरल, नार्थ ईस्ट रेलवे, गोरखपुर के द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक प्रयोजन यथा बहराइच-खलीलाबाद बी0 जी0 रेल लाईन के निर्माणार्थ परियोजना हेतु जनपद-सिद्धार्थनगर, तहसील-बॉसी, परगना-बासी पूरब, ग्राम-सोनवलिया में स्थित 3.0266668 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या-6068/आठ-वि0भू0अ0अ0सि0नगर/ अधि0सू0/2020-21/दिनांक 24.06.2022 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से सरकारी गजट उ0 प्र0 में दिनांक 30 जुलाई 2022 को प्रकाशित किया गया है। डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेन्ट कलेक्टर सिद्धार्थनगर को परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त नहीं किया गया है क्योकि भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

अधिनियम की धारा-15 की उपधारा (2) के प्राविधानों के अनुपालन में कलेक्टर भूमि अध्याप्ति प्रयोजनार्थ सिद्धार्थनगर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट दिनांक 19.09.2022 पर विचारोपरान्त धारा-19(1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें यह समाधान हो गया है कि अनुसूची ''क'' में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची 'ख' में उल्लिखित जिला-सिद्धार्थनगर, तहसील-बॉसी, परगना-बॉसी पूरब, ग्राम-सोनवलिया की शून्य हे0 भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

अनुसूची-क

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

क0स0	जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं0	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्र फल हे0 में
1-	2	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	18	0.1170921
2.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	40	0.4350015
3.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	36	0.1082759
4.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	42	0.3699382
5.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	86	0.3540893
6.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	73	0.0419468
7.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	69	0.0654974
8.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	67	0.0414905
9.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	68	0.1193383
10.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	64	0.0107665
11.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	193	0.3614687
12	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	194	0.0310372
13.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	196	0.0042557
14.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	192	0.0953309
15.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	195	0.1205764
16.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	217	0.1549639
17.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	220	0.0118348
18.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	219	0.2450956
19.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	218	0.0599354
20.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	232	0.2565603
21.	सिद्धार्थनगर	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	233	0.221714
					कुल क्षेत्रफल-	3.0266668 हे0

अनुसूची-ख

(विस्थापित परिवारो के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

क.सं.	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखंड सं0	पुनर्वासन हेतु चिन्हित क्षेत्र फल हे0 में
1	2	3	4	5	6	7
1	सिद्धार्थ	बांसी	बांसी पूरब	सोनवलिया	शुन्य	शुन्य

नोटः- समुचित सरकार द्वारा चयनित सामाजिक समाघात/प्रबन्धन अध्ययन कर्ता संस्था द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रस्तावित अर्जन से भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है तथा अध्ययन कर्ता संस्था की आख्या पर बहुशाखीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्व सम्मति से बहराइच-खलीलाबाद बी0जी0 रेल लाईन परियोजना के निमित्त भूमि अर्जन पर सामाजिक समाघात/प्रबन्धन रिर्पोट से सहमत होते हुये आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संस्तुति की गई है। सम्बन्धित तहसील की आख्या के अनुसार भी कोई कुटुम्ब विस्थापित नहीं हो रहा है।

उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा सिद्धार्थनगर कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

आज्ञा से,
जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर।

www.upgov.nic.in
upid-r.o.179502
date : 27-09-2022

Office – District Magistrate Siddharthnagar

N0. / viii-SLAO.SDR/ Notification/ 2022-23/ Dated- 2022
[under sub-section (1) of section 19 of the act]

NOTIFICATION

Whereas Preliminary notification no 6068/viii-SLAO.SDR/Notification/ 2021 dated 24.06.2022 was issued under sub-section (1) of section 11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, in respect of 3.0266668 hectares of land in Village-Sonwaliya, Pargana-Baansi Purab, Tehsil-Baansi, District-Siddarthnagar is required for public purpose, namely, project Bharaich-Khalilabad B G Rail Line through Deputy Chief Engineer, General / Construction/ Survey, North East Railway, Gorakhpur Mandal, Gorakhpur and lastly published on 30th of july 2022 in government gazette U.P. The Deputy Collector/Assistant Collector was not appointed as administrator for the purpose of rehabilitation and resettlement of the project affected families, because no families are likely to be displaced due to land acquisition.

After considering the report of the collector for the purpose of land acquisition submitted in pursuance to provision under sub section (2) of the section 15 of the Act, the Governor is pleased to declare under section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given schedule ''A'' is needed for public purpose and the land to the extent of zero hect. in Village-Sonwaliya, Pargana-Baansi Purab, Tehsil-Baansi, District-Siddarthnagar as given in schedule ''B'' has been identified as the rehabilitation and resettlement area for the purpose of rehabilitation and resettlement of the displaced families.

SCHEDULE-A
(Land under Proposed Acquisition)

S.N.	DISTRICT	TEHSIL	PARGANA	VILLAGE	PLOT NO.	AREA (IN HECT.)
1-	2	3	4	5	6	7
1.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	18	0.1170921
2.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	40	0.4350015
3.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	36	0.1082759
4.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	42	0.3699382
5.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	86	0.3540893
6.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	73	0.0419468
7.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	69	0.0654974
8.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	67	0.0414905
9.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	68	0.1193383
10.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	64	0.0107665
11.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	193	0.3614687
12	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	194	0.0310372
13.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	196	0.0042557
14.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	192	0.0953309
15.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	195	0.1205764
16.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	217	0.1549639
17.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	220	0.0118348
18.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	219	0.2450956
19.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	218	0.0599354
20.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	232	0.2565603
21.	Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	233	0.221714
					Total-	3.0266668 hect.

SCHEDULE-B
(Land Identified as Settlement Area for Displaced Families)

S.N.	DISTRICT	TEHSIL	PARGANA	VILLAGE	PLOT NO.	Area Eramarked For Rehablitation (In hect)
1	2	3	4	5	6	7
1	Siddharth nagar	Baansi	Baansi Purab	Sonwaliya	zero	zero

NOTE:-Social Impact Assesment study conducted by agency has been declared that No families are likely to be displaced due to land acquisition. However multi-disciplinary expert group unanimously recommends acquisition of necessary land by agreeing with social impact assessment report on land acquisition for Bahraich-Khalilabad new rail line project. Concern tahsil has been also submitted report that no families are likely to be displaced due to land acquisition.

A plan of land may be inspected in the office of the collector for the purpose of acquisition.

By Order,
Collector,
Siddharthnager.

www.upgov.nic.in
upid-r.o.179502
date : 27-09-2022

रामलीला सभी को अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं:के.पी

धनुष का खंडन होते ही रामलीला प्रांगण श्रीराम के जयकारे से गूँज उठा

दैनिक बुद्ध का संदेश

अनपरा/सोनभद्र। हिण्डालको रेणुसागर पावर डिवीजन रेनूसागर द्वारा रामलीला मंचन के चतुर्थ दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम व्यास द्वारा गणेश वंदना एवं रामायण की आरती से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। झॉकी में श्रीराम–लक्ष्मण, की सुन्दर झॉकी प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि के रूप में रेणुसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के.पी. यादव सपत्नीक द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोचार के बीच विधि विधान से आरती कराकर रामलीला के मंचन का शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष ऊर्जा ने अपने उदबोधन में रामलीला समिति के प्रबन्धक, पात्र व दर्शकों को नवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि पारम्परिक रूप से आयोजित होने वाली रामलीला का मंचन हम सभी को सत्कर्म करने की नसीहत देते हुए अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। तत्पश्चात रामलीला का मंचन शुरू हुआ जिसमें प्रभु श्रीराम ने शिवजी के पुराने धनुष का खंडन किया। पूरा खचाखच भरा रामलीला प्रांगण श्रीराम के जयकारे से गूँज उठा। सीता जी के स्वयंबर में रावण, बाणासुर जैसे तमाम योद्धाओं ने बड़ी संख्या में शिरकत की तथा बड़ी–बड़ी बातें की, परन्तु शिवजी के पुराने धनुष को तिलभर भी हिला न पाए। यह स्थिति देख राजा जनक हतोत्साहित हो जाते हैं। तत्पश्चात् दुःखी मन से सभी योद्धाओं को चले जाने के लिए कहते हैं। राजा जनक की यह बात लक्ष्मण जी को नागवार लगी और वह क्रोधित हो जाते

हैं, स्थिति को देख भगवान राम के गुरू विश्वामित्र जी ने श्रीराम को धनुष उठाने के लिए इशारा किया। श्रीराम ने यज्ञशाला में पहुँचकर पलभर में धनुष को खंडित कर दिया। तत्पश्चात् चारों तरफ जय–जयकार होने लगी। वहीं दूसरी तरफ परशुराम का क्रोध देखकर सभी राजा स्तब्ध रह गए। फिर भगवान श्रीराम ने परशुराम से विनती करते हुए कहा कि हे नाथ धनुष खंडित करने वाला कोई आपका सेवक ही होगा। परशुराम ने क्रोधित होते हुए कहा कि सेवक सेवा का कार्य करता है न कि शत्रु का। तत्पश्चात् भगवान श्रीराम के राजतिलक की घोषणा कर राजतिलक किया गया। राजा दशरथ, कैकेई, श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के रूप में पात्रों का सुन्दर अभिनय व इसके पूर्व कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई झांकी को देख उपस्थित दर्शक भावविभोर व मंत्रमुग्ध हो गये। इसके अतिरिक्त एक से बढ़ कर एक रंगारंग कार्यक्रम कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही साथ दिल्ली से आए व्यास नारायण लाल तिवारी की चौपाइयों से उपस्थित लोग भाव विभोर होकर झूमने पर मजबूर हो गये। इस अवसर पर मुख्य रूप से दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्षा इन्दू यादव, संजय सिंह, शैलेश विक्रम सिंह, गुलसन तिवारी, सुदिप्ता नायक, अनिल सिघानिया, डा.ए. के. दूबे, परेश ढोले राम जतन गुप्ता, राजेश सैनी, संदीप यावले, कर्नल जयदीप मिश्रा श्याम सुन्दर बियाला, सतनाम सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

मां दुर्गा मंदिर के दरबार के भव्य पंडाल में जवाबी कीर्तन का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। कस्बा मसौली स्थित दुर्गा मंदिर के मां के बने भव्य पंडाल में लखनऊ की गायिका कोमल क्रोधी और रायबरेली के राजू रंगीला के बीच रात भर जवाबी कीर्तन का मुकाबला चला जिसमें निर्णायक कमेटी ने कोमल क्रोधी को प्रथम स्थान दिया गया।

मसौली बाजार स्थित मां दुर्गा मंदिर के दरबार के भव्य पंडाल में जवाबी कीर्तन का आयोजन किया गया है। जिसमें लखनऊ की सुश्री कोमल क्रोधी ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मां शारदे की वंदना मां तू स्वर दाचिनी, मां तू वर दाचिनी प्रस्तुत किया इसके बाद अपनी विपक्षी पार्टी को सवाल में कहा कि ना माइका न ससुराल कुंवारी है फिर भी कई लाल है।जिसका जवाब राजू रंगीला ने देकर विपक्षी पार्टी को गीत देते हुए कहा कि देखो कितना सुन्दर प्रभू का डबल रोल है। ऐसे ही रात भर सवाल जवाब चलता रहा। अंत मे दुर्गा पूजा उत्सव समिति की कमेटी द्वारा निर्णय लेते हुए कोमल क्रोधी की पार्टी की प्रथम स्थान की घोषणा करते हुए प्रतीत चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष प्रेमनन्द वर्मा, अखिलेश यादव, पिन्कू सैनी, अयोध्या नाग, सन्तोष नाग, राजा गुप्ता, रमेश मिश्रा, शिव कैलाश नाग, राजन सोनी, संजय जैन, आकाश गुप्ता सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकली भव्य कलश यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना परिसर में स्थित मंदिर में आदिशक्ति मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में शुक्रवार शारदीय नवरात्र के पंचम दिवस भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। अयोध्या धाम से पधारे पंडित गोविंद शास्त्री एवं मंदिर के मुख्य पुजारी भोलानाथ पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमान समाजसेवी व अधिवक्ता इंद्रेश सिंह व उनकी धर्मपत्नी के हाथों वेदी पूजन का कार्य सम्पन्न कराकर कलश यात्रा की शुरूआत की। गाजे बाजे के साथ बीजपुर थाना परिसर से धूमधाम से निकली कलश यात्रा बीजपुर बाजार, एनटीपीसी स्वागत द्वार से होते हुए गोविंद बल्लभ पंत सागर के तट पर स्थित इंटक वेल पहुँची। जलाशय पर विधिविधान पूर्वक

कलश यात्रा में शामिल सैकड़ों की संख्या में युवतियों एवं महिलाओं ने अपने सर पर कलश व नारियल लेकर बड़े ही उत्साह के साथ माता रानी के जयकारे लगाते एवं भक्ति गीतों पर झूमते हुए पैदल चलती रहीं। रिहंद पूजा अनुष्ठान के पश्चात महंत गोविंद शास्त्री द्वारा कलश में जल भरवाने के पश्चात पुनः वापस थाना परिसर स्थित मंदिर पर पहुंच कर यात्रा का समापन हुआ। जहां सभी कलश को रखा गया। मंदिर के पुजारी द्वारा बताया गया कि शनिवार को प्रातः 8 बजे जलाभिषेक एवं औषधि अभिषेक 3 बजे अन्नाधिवास तथा रविवार 2 अक्टूबर को मां दुर्गा की प्रतिमा को नगर भ्रमण एवं प्राण प्रतिष्ठा व हवन के साथ ही पूर्णाहुति की जाएगी। इस अवसर पर कलश यात्रा में मुख्य सहयोगी के रूप में उपस्थित योगेंद्र चौबे, राजेश सिंह, ताड़क नाथ दुबे, विमलेश यादव, संदीप राय, संजय यादव, गोपाल प्रसाद, डा गिरजाशंकर पांडेय, रामभजन सिंह, बीजपुर थाने के आरक्षी राजकुमार प्रजापति, नंदन, पुरुषोत्तम आदि के साथ भारी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष शामिल रहे।

पत्रकार संगठन के द्वारा करवाया गया दर्शनार्थियों के लिए भोजन प्रसाद के साथ दवाई की व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

सतना। डाक्टर अवधराज सिंह के तत्वाधान में मैहर दर्शनर्थियों के लिए किया फलाहार एवं चाय पेयजल सहित दवाइयों की कैम्प लगाकर की गई व्यवस्था सतना जिले के ऊँचेहरा पड़रहा मंदिर में टेंट लगाकर पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक एवं अवध आरोग्य धाम के संचालक डाक्टर अवधराज सिंह के तत्वाधान में भव्य भंडारा एवं फलाहार चाय एवं दवाइयों के साथ रात्रि जागरण एवं रामायण संगीत करवाकर लाखो दर्शनार्थी श्रद्धालुओं को भोजन करवाकर रुकने की व्यवस्था करवाई जिसमे मुख्य रूप से पत्रकार संगठन के अध्यक्ष अंकित शर्मा, सचिव आशीष गुप्ता, सतना जिलाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह परिहार,उमेश कुशवाहा पुष्पराज सिंह, डॉ. विवेक त्रिपाठी, जयपाल शुक्ला सहित सैकड़ो कार्यकर्ता अपना योगदान दिए।

उपजिलाधिकारी प्रिया सिंह ने कल्याणी नदी विसर्जन घाट का निरीक्षण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली बाराबंकी। क्षेत्र में होने वाली दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर शुक्रवार को उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर प्रिया सिंह ने क्षेत्र के बदोसराय सफदरगंज रोड स्थित कल्याणी नदी स्थित विसर्जन घाट का निरीक्षण किया। साथ ही सफदरगंज थाने पर आयोजित शान्ति समिति बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मसौली बदोसराय जैदपुर व अन्य थाने से विसर्जन के लिए आने वाली प्रतिमाओं को सुरक्षा और शांति व्यवस्था के साथ ही घाट तक लाने की जिम्मेदारी दुर्गा पूजा कमेटी की भी होगी। साथ

ही विसर्जन घाट पर बैरिकेडिंग गोताखोरों, लाइट, पेयजल, व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ को पूरा करवाने के दिशा निर्देश गए। शान्ति बैठक में थानाध्यक्ष अभिषेक तिवारी ने सभी को प्रशासन द्वारा मिले दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए थे साथ ही कोई भी नई परम्परा की शुरुआत न करे। पूर्व में चल रही व्यवस्था के अनुसार ही आगामी पर्व को परम्परागत और सौहार्द से मनाएं। थानाध्यक्ष ने सभी को बताया कि क्षेत्र की करीब डेढ़ सौ मूर्तियों का विसर्जन कल्याणी नदी में किया जाता है। भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इस बार विसर्जन के लिए मूर्ति आगमन पर सफदरगंज चौराहे व दरियाबाद तिराहे पर दोनों छोरों पर प्रत्येक मूर्ति के वाहनों को ही विसर्जन घाट तक आने की अनुमति होगी। इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अजय कुमार वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु होटल,ढ़ाबा संचालकों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान के सड़क के किनारे खड़ी गाड़ियों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सभी होटल,ढ़ाबा संचालकों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। होटल,ढ़ाबा संचालकों को निर्देशित किया गया कि अपने होटलों व ढ़ाबों के बाहर नो पार्किंग बोर्ड लगायें एवं साथ ही साथ सीसीटीवी कैमरे लगायें ताकि सड़कों पर खड़ी गाड़ियों की पहचान कर कार्यवाही की जा सके। ढाबा संचालकों द्वारा बताया गया कि राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों से आने वाले ड्राइवर मनमानी करते हैं और वह गाड़ियों को पार्किंग में न खड़ी करके सड़कों पर छोड़ देते हैं। ऐसे में स्थानीय पुलिस द्वारा तय किया गया है कि अब ऐसे होटल,ढ़ाबा के सामने सड़कों पर खड़ी गाड़ियों का चालान किया जाएगा एवं सभी होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि मद्य पदार्थों की बिक्री व सेवन अनुमन्य नहीं है यदि कोई ड्राइवर इस तरह की हरकत करता है तो उसके बारे में तत्काल पुलिस को सूचना दें।

सलमानी सविता वेलफेयर एसोसिएशन को बड़ा झटका

विधानसभा अध्यक्ष समेत दर्जनों पदाधिकारियों ने छोड़ा संगठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। सलमानी सविता वेलफेयर एसोसिएशन हैदरगढ़ विधानसभा अध्यक्ष मो. सईद उर्फ राजू सलमानी ने अपने लगभग तीन दर्जन से अधिक पदाधिकारियों समेत सलमानी सविता वेलफेयर एसोसिएशन के हैदरगढ़ विधानसभा अध्यक्ष के पद से दिया इस्तीफा। वही त्रिवेदीगंज ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर इस्लाम सलमानी जैसे नाम प्रमुख है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार संगठन के जिला अध्यक्ष मो. जुबेर सलमानी से आपसी विवाद बताया जा रहा है। मो. सईद उर्फ राजू सलमानी ने पद से इस्तीफे का कारण व्यक्तिगत बताया है। पर सवाल यहाँ यह उठता है कि बाकी लगभग 3 दर्जन से अधिक पदाधिकारियों ने संगठन क्यों छोड़ा सूत्रों के अनुसार हैदरगढ़ विधानसभा की पूरी टीम एवं त्रिवेदीगंज ब्लॉक टीम के सारे पदाधिकरी अन्य संगठन में जा सकते हैं।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

रामलीला का चौथा दिन नगर दर्शन व फुलवारी का हुआ मंचन

- प्रमुख समाज सेवी ग्राम सभा करमा शिवमुरत मौर्य ने की भगवान की आरती
- श्रृंगार रस से परिपूर्ण रामलीला, दर्शक हुए भाव बिभोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के करमा रामलीला मैदान में रामलीला के चौथे दिन नगर दर्शन व फुलवारी की रामलीला मंचन हुआ राम जनक बाग में फुल लाने जाते हैं वहा जनकनंदिनी सीता भी गिरिजा की पुजन के लिए आती है पूजन गौरि सखी लै आई, गौरी सीता जी को आशिर्वाद देती हैं कलाकारों द्वारा मीना बाजार लगाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हुआ कार्यक्रम का संचालन इन्द्रजीत शुक्ल ने किया शान्ति व सूरक्षा के दृष्टिगत उपनिरीक्षक मनोज तिवारी क्षेत्र में चक्रमण करते रहे।

असुंतलित होकर डिवाइडर पर चढ़ा ट्रक,टला बड़ा हादसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली/बाराबंकी। रामनगर से बाराबंकी की ओर रसोई गैस से भरा ट्रक हाईवे पर स्थित सुल्तानपुर गांव के निकट असुंतलित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नही हुआ।

बीती रात्रि रामनगर से बाराबंकी की ओर खाली रसोई गैस सिलेंडर लेकर जा रहा ट्रक जैसे ही सुल्तानपुर गांव के निकट फोरलेन पर पहुंचा ही था की चालक के नींद की झपकी आने से ट्रक असुंतलित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया शुक्रवार की दोपहर क्रेन के जरिये ट्रक हटाया गया। गनीमत रही कोई हादसा नही हुआ लेकिन डिवाइडर क्षतिग्रस्त हो गया।

अज्ञात टैंकर की चपेट में आने प्रेस वाहन क्षतिग्रस्त,चालक हुआ घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली बाराबंकी। शुक्रवार की भोर अखबार लेकर आने वाली टाटा मैजिक लक्षबर बजहा गांव के निकट अज्ञात टैंकर की चपेट में आने प्रेस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक घायल हो गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाराबंकी से भिटरिया तक जगह जगह प्रतिदिन अखबार पहुँचाने वाली टाटा मैजिक गाड़ी नम्बर यूपी 41 टी 9924 नित की भांति शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे अखबार लेकर हाईवे पर जा रही थी तभी साईं पेट्रोलपंप लक्षबर बजहा के निकट अज्ञात टैंकर की चपेट में आने से टाटा मैजिक क्षतिग्रस्त हो गई तथा चालक प्रभात कुमार सैनी पुत्र दिनेश कुमार सैनी निवासी लखपेड़ाबाग घायल हो गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया वही काफी देरी के बाद दूसरे वाहन से अखबार का वितरण किया गया।

अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले दो उप निरीक्षक की ससम्मान विदाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। जनपद से अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से दो उप निरीक्षक, सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स बाराबंकी स्थित सभागार में विदाई समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा सेवानिवृत्त हुए 1. उ0नि0 ना0पु0 रतन प्रकाश 2. उ0नि0 ना0पु0 माताफेर को फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर ससम्मान विदाई दी गयी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उक्त विदाई कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी, प्रतिसार निरीक्षक व अन्य अधिकारी,कर्मचारीगण मौजूद रहे।

मॉर्निंग वॉक के बाद इन व्यंजनों का करें सेवन, आसान हैं इनकी रेसिपी

मॉर्निंग वॉक पर जाने से आप फिट और स्वस्थ रहते हैं, लेकिन दौडने के ठीक बाद शरीर को प्रोटीन और कार्ब्स के संतुलित मिश्रण के साथ फिर से भरना महत्वपूर्ण है। ये पोषक तत्व मांसपेशियों को नुकसान से बचाने और आपको ऊर्जावान बनाए रखने में काफी मदद कर सकते हैं। आइये हम आपको पांच ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन मॉर्निंग वॉक के बाद करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

फ्रूट योगर्ट

सामग्रीरू आधा कप ब्लूबेरी, आधा कप रसभरी, आध कप ग्रीक योगर्ट और एक चम्मच शहद। रेसिपीरू सबसे पहले एक कटोरे में ग्रीक योगर्ट और शहद को डालकर अच्छे से मिलाएं और फिर इसमें सारी बेरीज मिलाएं। अब एक कटोरी फ्रूट योगर्ट का सेवन करें और बाकि मिश्रण को अन्य लोगों को परोस दें। ध्यान रखें कि इस फ्रूट योगर्ट को बनाते समय फ्रोजन बेरीज का इस्तेमाल नहीं करना है। इसके लिए हमेशा ताजी बेरीज समेत शुद्ध शहद ही लें।

उबले अंडे, एवोकाडो और शकरकंद का मिश्रण

सामग्रीरू एक शकरकंद, एक एवोकाडो, दो अंडे, नमक और मिर्च। रेसिपीरू मध्यम आंच पर अंडे उबालें, फिर इन्हें छिलकर इन्हें बीच में से काटें। इसके बाद एवोकाडो और उबली शकरकंद को छीलकर काटें। कितना सेवन करेंरू मॉर्निंग वॉक के बाद रोजाना आधा शकरकंद, एक या दो अंडे और एक चौथाई एवोकाडो के मिश्रण पर नमक और मिर्च छिड़ककर इसका सेवन करें।

नट बटर और बेरीज वाला ओपन सैंडविच

सामग्रीरू व्हीट ब्रेड, आधा कप बेरीज जैसे ब्लूबेरी और स्ट्रॉबेरी, अखरोट का मक्खन। रेसिपीरू सबसे पहले एक ब्रेड की स्लाइस पर एक बड़ी चम्मच अखरोट का मक्खन फैलाकर लगाएं और फिर इसके ऊपर अपनी पसंदीदा बेरीज के टुकड़े रखें। बस फिर यह तैयार है। कितना सेवन करेंरू ब्रेड के ज्यादा से ज्यादा दो स्लाइस, दो बड़ी चम्मच अखरोट का मक्खन और एक छोटी मुट्ठी बेरीज का सेवन करें।

बादाम के मक्खन वाले बनाना पैनकेक

सामग्रीरू आधा पका हुआ केला, एक अंडा, आधा कप गेहूं का आटा, एक छोटी चम्मच बेकिंग पाउडर, एक चौथाई कप दूध, एक चुटकी नमक और डेढ़ बड़ी चम्मच बादाम का मक्खन। रेसिपीरू सबसे पहले एक कटोरे में सभी सामग्रियों को मिलाएं। इसके बाद एक फ्राइंग पैन को कुकिंग स्प्रे से चिकना करके इस पर मिश्रण की एक–दो करछी डालें, फिर इसे गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। इसी तरह पूरे मिश्रण से पैनकेक बनाकर इन पर मेपल सिरप डालें और खाएं।

स्प्राउट्स सलाद

सामग्रीरू आधा कप मूंग स्प्राउट्स, आधा कप उबले चने, आधा खीरा (कटा हुआ), थोड़े पालक के पत्ते, आधे नींबू का रस, नमक (स्वादानुसार), आधी छोटी चम्मच जीरा पाउडर, एक चौथाई छोटी चम्मच काली मिर्च का पाउडर। रेसिपीरू सबसे पहले अंकुरित साबुत मूंग को स्टीम करके एक कटोरे में डालें, फिर इसमें चने, खीरा, पालक, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अंत में स्प्राउट्स सलाद में भुनी हुई मूंगफली डालकर इसे खाएं।

उर्फी के ही नक्शे कदम पर चलकर इंटरनेट पर छाई श्वेता शर्मा

टीवी की मशहूर अभिनेत्री उर्फी जावेद अपने लुक एवं ऑउटफिट को लेकर अक्सर सुर्खिर्ध्यों में छाई रहती हैं। आए दिन उनकी फोटोज एवं वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। उर्फी

आए दिन अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपनी फोटोज साझा करती हैं तथा हर एक में उनका अंदाज अनोखा होता है। उर्फी के ही नक्शे कदम पर श्वेता शर्मा भी चल पड़ी हैं। उनकी तस्वीरें देखकर कई लोग उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद कह रहे है। श्वेता भोजपुरी फिल्मों का जाना–पहचाना नाम बन गई हैं, साथ ही सोशल मीडिया पर भी खूब खब्बरों में रहती हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर श्वेता शर्मा अपने बोल्ड लुक का लेकर अक्सर खब्बरों में रहती हैं। लोग उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद भी बोलते हैं। आपको बता दें कि श्वेता शर्मा ने रितेश पांडे के साथ गजब करईहा नाम के एल्बम से भोजपुरी फिल्मों में कदम रखे थे। अपने पहले ही भोजपुरी गाने से श्वेता शर्मा खूब मशहूर हो गईं। श्वेता शर्मा सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं। लुक और स्टाइल के मामले में वह भोजपुरी एवं बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं हैं। श्वेता आए दिन अपनी बोल्ड फोटोज प्रशंसकों के साथ शेयर करती दिखाई देती हैं। फोटोज में उनका लुक और अंदाज देखने लायक होता है। यही कारण है कि श्वेता की फोटोज और वीडियो खूब वायरल होते हैं। श्वेता शर्मा की बोल्ड अदाएं उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आती हैं। श्वेता शर्मा पर ट्रेडिशनल एवं वेस्टर्न हर प्रकार के परिधान खूब जमते हैं। श्वेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बिकिनी में भी खूब फोटोज शेयर की हुई हैं। जिन्हे देखकर फैंस उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद कह रहे है।

हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से आलिया भट्ट का फर्स्ट लुक जारी

मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट काफी समय से अपनी हॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। वह हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में नजर आएंगी। इसमें उनके साथ हॉलीवुड अभिनेत्री गैल गैडोट और अभिनेता जैमी डोर्नन दिखाई देंगे। अब इस फिल्म से आलिया का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। वह भरपूर एक्शन अवतार में नजर आई हैं। मेकर्स ने एक टीजर वीडियो के जरिए फिल्म के कलाकारों की झलक दिखाई है।

आलिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर हार्ट ऑफ स्टोन से अपना लुक शेयर किया है। साथ ही उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन और कीया का फर्स्ट लुक जारी। 2023 में नेटफ्लिक्स पर आ रही है फिल्म। वीडियो में आलिया कहती हुई दिखीं, इसमें ये कैरेक्टर्स हैं, जिनसे आप जुड़ते हैं और महसूस करते हैं। वह इस फिल्म में कीया धवन का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। टीजर वीडियो के अनुसार, अभिनेत्री गैल फिल्म में रचेल स्टोन की भूमिका में दर्शकों से मुखाबित होंगी। वह इसमें सीआईए एजेंट के रूप में दिखने वाली हैं। अभिनेता जैमी पार्कर का किरदार अदा करेंगे। फिल्म के फर्स्ट लुक को सोशल मीडिया पर शानदार प्रतिक्रिया मिली है। आलिया की मां सोनी राजदान ने अपने कमेंट में लिखा, यह बहुत ही रोमांचक लग रहा है। अर्जुन कपूर ने लिखा, यह बहुत शानदार होने वाला है...गर्व की बात है। एक फैन ने लिखा, आलिया और गैल एक ही स्क्रीन पर। भगवान, क्या मैं यह सपना देख रहा हूं? एक अन्य यूजर ने लिखा था, बधाई...आलिया भट्ट...आप भारतीय सिनेमा की शान हैं। खबरों की मानें तो आलिया ने प्रेग्नेंसी के दौरान इस फिल्म के लिए कई एक्शन सीन्स शूट किए थे। फिल्म के सेट से आलिया की कई तस्वीरें भी सामने आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन टॉम हार्पर कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स ने जनवरी में इस फिल्म के राइट्स हासिल किए थे। कहा जा रहा है कि आलिया अपनी इंटरनेशनल डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं। अब देखना है कि कब मेकर्स फिल्म की रलीज डेट का ऐलान करते हैं। गैल गैडोट एक इजराइली अभिनेत्री, मॉडल और निर्माता हैं। वह फास्ट एंड फ्यूरियस से लेकर जस्टिस लीग जैसी कई सफल फिल्मों का हिस्सा रही हैं, लेकिन वंडर वुमन बनकर वह दुनियाभर में मशहूर हो गईं। इस फिल्म से उन्होंने अपनी एक खास पहचान बनाई है। कई भारतीय कलाकार हॉलीवुड का रुख कर चुके हैं। उर्वशी रौतेला भी नेटफ्लिक्स की फिल्म के साथ हॉलीवुड में अपना पदार्पण कर सकती हैं। तब्बू एक नहीं, बल्कि दो हॉलीवुड फिल्में नेमसेक और लाइफ ऑफ पाई में काम कर चुकी हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने फिल्म ब्राइड एंड प्रेज्युडिस और प्रियंका चोपड़ा ने टीवी सीरीज क्वांटिको से हॉलीवुड में कदम रखा था।

मैं फिल्में निर्देशित करना चाहता हूं: पंकज त्रिपाठी

जाने–माने अभिनेता पंकज त्रिपाठी को कहानी सुनाना बहुत पसंद है और वह फिल्मों के निर्देशन में भी अब अपना हाथ

आजमाना चाहते हैं। पंकज ने कहा, मैं अभिनय की दुनिया में इसलिए आया हूं क्योंकि मुझे यह पसंद है। मैं बिहार के एक छोटे से गाँव से आता हूं, कहानियाँ सुनकर बड़ा हुआ हूँ। अब मुझे कहानियाँ सुनाने का भी शौक हो गया है।तो, अभिनय के अलावा, मैं एक फिल्म निर्देशित करना चाहता हूं। एक निर्माता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन यह निर्देशक है जिसके पास कहानी की दृष्टि होती है। अभिनेता पंकज त्रिपाठी कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन यह 2012 में अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर थी, जिससे उनको सफलता मिली। अभिनेता को आखिरी बार फिल्म शेरदिलरू द पीलीभीत सागा में देखा गया था। वह अब फुकरे 3 और ओएमजी 2 में जल्द ही नजर आएंगे।

सिर्फ विज्ञापन देखकर न खरीदें शैंपू, इन बातों का रखें खास ध्यान

कई लोग केवल विज्ञापन देखकर शैंपू खरीद लेते हैं, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। आजकल बाजार में कई तरह के शैंपू उपलब्ध हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर तरह का शैंपू आपके इस्तेमाल के लिए सही हो। इसलिए जब भी शैंपू खरीदने जाएं तो कुछ बातों का खास ध्यान रखें ताकि उसके इस्तेमाल से आपके बालों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे। आइये जानते हैं कि शैंपू खरीदते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बालों के प्रकार पर ध्यान देना है जरूरीः हर किसी के बाल अलग–अलग प्रकार और बनावट के होते हैं और हर शैंपू आपके बालों के प्रकार के लिए उपयुक्त नहीं होता है। हमेशा अपने बालों के प्रकार के अनुसार ही शैंपू चुनें। रूखे बालों वाले लोग मॉइश्चराइजिंग शैंपू का इस्तेमाल करें, जबकि तैलीय प्रकार के बालों वाले लोग सल्फेट और सैलिसिलिक एसिड युक्त शैंपू खरीदें। हल्के बालों के लिए नॉन–क्रीमी शैंपू, घुंघराले बालों के लिए हाई प्रोटीन शैंपू और कलर वाले बालों के लिए कलर–सेफ शैंपू चुनें।

अपनी जरूरत को समझेंः आजकल बाजार में बालों से जुड़ी हर एक समस्या के हिसाब से शैंपू उपलब्ध हैं और यह सिर्फ आपके ऊपर निर्भर करता है कि समस्याओं का निवारण करते हुए कौनसा शैंपू आपके बालों को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रख सकता है। जैसे– डैंड्रफ से राहत दिलाने वाले एंटी–डैंड्रफ शैंपू और अगर आपके बाल ज्यादा टूटते हैं तो इसके लिए एंटी–हेयरफॉल शैंपू लेना चाहिए। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी जरूरत से हिसाब से ही शैंपू खरीदें।

आपके शैंपू में नहीं होनी चाहिए ये सामग्रियां

शैंपू खरीदने से पहले उसमें शामिल सामग्रियों को चेक करना जरूरी है। कई शैंपू बहुत ही हानिकारक रसायन से बने होते हैं और उनके इस्तेमाल से स्कैल्प पर जलन और खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हमेशा ऐसे शैंपू खरीदने चाहिए, जिसमें अल्कोहल, मिनरल ऑयल, सल्फेट, सोडियम क्लोराइड, फॉर्मलडिहाइड, प्रोपलीन ग्लाइकोल, आर्टिफिशियल रंग समेत आर्टिफिशियल सुगंध शामिल न हो। ये सामग्रियां स्कैल्प और बालों को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकती हैं।

अच्छी रिसर्च के बाद करें शैंपू का चुनावः अगर आप किसी शैंपू की खरीदारी के लिए स्टोर पर जाने वाले हैं तो इससे पहले उस शैंपू के बारे में अच्छी तरह ऑनलाइन रिसर्च कर लें और उससे जुड़े कुछ रिव्यू पढ़ लें। इससे आपको दूसरों का अनुभव का पता चल जाएगा और आप शैंपू खरीदने के दौरान सही फैसला ले पाएंगे। इसके अलावा, बेहतर होगा कि आप ऑनलाइन शैंपू खरीदने से बचें।

एक्सपायरी डेट करें चेकः शैंपू या फिर कोई अन्य हेयर केयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट को चेक करना जरूरी है। शैंपू सिर के साथ–साथ चेहरे और आंखों के संपर्क में भी आ जाता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी हो जाता है कि आप एक्सरपायरी डेट चेक किए बिना इसे न खरीदें। एक्सरपायर शैंपू को लगाने से कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। इस तरह जिस शैंपू की एक्सपायरी डेट 7–8 महीने बाद हो, केवल उसे ही खरीदें।